

CHOICE OF MILLIONS SINCE 1970

CHARMINAR®

BEST SELLER

www.charminarbrush.com

PAINT ROLLER

9440297101



आजीवन कारावास के आरोपित को बरी करने पर हाई कोर्ट के दो जजों और कानून मंत्री के खिलाफ जांच की मांग

काठमांडू, 04 जून (एजेंसियां)।

नेपाल में 23 लोगों को जिंदा जलाकर हत्या करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व मंत्री सहित पांच लोगों को रिहा करने वाले हाई कोर्ट के दो जजों और कानून मंत्री के खिलाफ जांच की मांग की गई है। इस पर सुनवाई के लिए न्याय परिषद की आकस्मिक बैठक भी बुलाई गई है। नेपाली कांग्रेस के बाहुबली नेता पूर्व मंत्री और तीन बार के सांसद आफताब आलम सहित उनके परिवार के पांच सदस्यों को

सबूतों के अभाव में हाई कोर्ट के दो जजों की बेंच ने रिहा करने का आदेश दिया था। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए पुख्ता प्रमाण होने के कारण इन सभी आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार करके इन पर मुकदमा चलाने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट की तरफ से राजनीतिक दबाव में यह फैसला किए जाने की बात कहते हुए नेपाल बार एसोसिएशन ने न्याय परिषद में लिखित शिकायत की है। साथ ही हाई कोर्ट के दोनों जजों और देश के

कानून मंत्री अजय चौरसिया के खिलाफ जांच की मांग की है। परिषद ने आज आकस्मिक बैठक बुलाई है। इस शिकायत में इस तरह का आदेश देने वाले हाई कोर्ट के दोनों जजों और कानून मंत्री के फैसले के दो दिन पहले से लेकर दो दिन बाद तक के कॉल डिटेल रिकॉर्ड मंगाने की बात भी कही गई है। बुधवार को शाम को न्याय परिषद की बैठक में इस बारे में आगे की निर्णय लिया जाएगा। सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री शेर

बहादुर देउवा ने फैसले से एक दिन पहले ही एक सार्वजनिक कार्यक्रम में आफताब आलम को जेल से जल्द रिहा कराने की बात कही थी। बार एसोसिएशन ने आशंका व्यक्त की है कि कांग्रेस के पूर्व मंत्री को जेल से रिहा कराने के लिए कांग्रेस के कोटे से ओली सरकार में कानून मंत्री रहे अजय चौरसिया ने भूमिका निर्वाह की है। रौतहट से नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार मोहम्मद आफताब आलम पर मतदान के दिन बम बनाने के लिए भारत सरकार लाए गए।

न्यूज़ ब्रीफ

बांग्लादेश में गैस सिलेंडर से लदा ट्रक पलटा, लगी आग, जोरदार धमाका



ढाका। बांग्लादेश के बिरसार में ब्राह्मणबारिया बाइपास के पास कोमिला-सिलहट राजमार्ग पर 200 से अधिक रसोई गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक पलट गया। इसके बाद ट्रक में आग लग गई और इससे कई विस्फोट हुए। अभी भी ट्रक में आग लगी हुई है। रुक-रुक कर सिलेंडर फट रहे हैं। इससे क्षेत्र में दहशत है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, तब से घटनास्थल के आसपास विस्फोट की आवाज आ रही है। आग तेजी से भड़क रही है। ब्राह्मणबारिया सदर मॉडल थाना मोहम्मद मुजफ्फर हुसैन ने बताया कि प्रत्येक विस्फोट के साथ सिलेंडर ऊपर की ओर उछल रहे हैं। पुलिस के अनुसार, सड़क की खराब हालत के कारण ट्रक पलट गया। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। संबंधित अधिकारियों को बाखबर कर दिया गया है।

बेटे की तस्वीर बनी मंगोलिया के प्रधानमंत्री के इस्तीफे का कारण



उलानबतोर। मंगोलिया के प्रधानमंत्री के शासन के अंत का कारण उनके बेटे की एक तस्वीर बनेगी। हाल ही में मंगोलिया के पीएम लुवसनामसेन ओयुन एडीन संसद में विपक्षी दलों द्वारा पेश किया गया अविश्वास प्रस्ताव हार गए हैं। इसके बाद लुवसनामसेन ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। इन सब के पीछे की वजह बनी उनके बेटे और होने वाली बहु की छुट्टियों के दौरान ली गई एक तस्वीर। यह तस्वीर सामने आने के बाद से ही देश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे, जिसके बाद प्रधानमंत्री को अपना पद छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। देश के लोगों में भी गुस्सा भड़क उठा। बड़ी संख्या में लोग विरोध प्रदर्शन कर ओयुन-एडीन के इस्तीफे की मांग करने लगे, जिसमें बाद उन्हें आखिरकार पद छोड़ना पड़ा। इस्तीफे के बाद ओयुन-एडीन ने कहा है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने एक बयान में कहा, आलोकिक मुझे बदनाम कर मेरी प्रतिष्ठा को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। ओयुन-एडीन के बेटे और उनकी मंगेतर की कुछ तस्वीरों के जरिए उनकी लवजरी लाइफस्टाइल लोगों के सामने आई। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक तस्वीर में यह जोड़ा लवजरी शॉपिंग बैग लिए नजर आया। इस तस्वीर को प्रधानमंत्री की बेटे की मंगेतर ने पोस्ट किया था। दूसरी तस्वीरों में भी बेटे और मंगेतर की विलासतापूर्ण जिंदगी की कुछ तस्वीरें दिख रही थीं। तस्वीरें बाहर आने के बाद देश की जांच एजेंसियों ने प्रधानमंत्री के खिलाफ जांच शुरू कर दी। इससे पहले मंगलवार को संसद में ओयुन-एडीन ने विश्वास मत खो दिया था। पद पर बने रहने के लिए उन्हें 126 सदस्यीय संसद में कम से कम 64 वोटों की आवश्यकता थी। हालांकि उनके पक्ष में केवल 44 ने तो वहीं 38 ने उनके खिलाफ वोट दिया।

आईएसआई चीफ के पद से हटाया तो पत्नी के खिलाफ हुए मुनीर: पूर्व पीएम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के बारे में बात करते



हुए कहा कि इंटर-सर्विसेज इंटरलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक के पद से हटाए जाने के बाद फील्ड मार्शल उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ हो गए। खान ने कहा, जब मैंने प्रधानमंत्री के रूप में जनरल आसिम मुनीर को आईएसआई के महानिदेशक के पद से हटाया, तो उन्होंने इस मामले पर चर्चा करने के लिए मध्यस्थों के माध्यम से मेरी पत्नी बुशरा बीबी से संपर्क करना चाहा। जनरल मुनीर पर और भी निशाना साधते हुए खान ने कहा, जिस तरह से मेरी पत्नी को निजी प्रतिशोध के लिए निशाना बनाया गया है, उसकी कोई तुलना नहीं है। पाकिस्तान में तानाशाही के सबसे काले दौर में भी ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा, उन (बुशरा बीबी) पर सहायता करने और उकसाने का आरोप लगाया गया था, एक ऐसा आरोप जिसके लिए कभी कोई सबूत पेश नहीं किया गया और उन्हें एक के बाद एक झूठे मामलों में गिरफ्तार किया जाता रहा है। वह एक नागरिक है, एक गृहिणी हैं जिसका कोई राजनीतिक संबंध नहीं है।

भारत विरोधी बयानबाजी पर फिर घिरे बिलावल भुट्टो, पत्रकार ने याद दिलाया भारत का जवाब



न्यूयॉर्क, 04 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अपने भारत विरोधी प्रोगेण्डा वाले बयान के कारण सवालियों के घेरे में आ गए। हालांकि, उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच आतंकवाद से मिलकर लड़ने और खुफिया जानकारी साझा करने का सुझाव भी दिया, जिस पर फिलहाल भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। वायरल हो रहे एक वीडियो में बिलावल भुट्टो

मंच पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान एक पत्रकार ने उनके हालिया बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने और भारत में मुसलमानों को शैतानों की तरह दिखाने की बात कही थी। पत्रकार ने बिलावल भुट्टो को याद दिलाया कि उन्होंने दोनों देशों की ब्रीफिंग देखी है और उन्हें स्पष्ट रूप से याद है कि भारत की ओर से ब्रीफिंग देने वाली सैन्य अधिकारियों में एक मुस्लिम महिला भी शामिल थीं। दरअसल, यह प्रतिक्रिया

भारत द्वारा पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर किए गए हमले के बाद दी गई ब्रीफिंग के संदर्भ में थी। इस ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग कर्नल सोफिया बुट्टेरी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने की थी। विंग कमांडर सिंह भारतीय वायुसेना में हेलीकॉप्टर पायलट हैं। ब्रीफिंग के दौरान उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिश्री भी मौजूद थे। इस घटना ने एक बार फिर पाकिस्तान की भारत विरोधी बयानबाजी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवालों के घेरे में ला दिया है।



अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की गोपनीय रिपोर्ट ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान ने अब तक करीब 10 परमाणु हथियार बनाने लायक संवर्धित यूरेनियम जमा कर लिया है। इस खुलासे के बाद परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने फरवरी 2024 से अप्रैल 2025 के बीच 60 फीसदी संवर्धित यूरेनियम की मात्रा को 274.8 किलोग्राम से बढ़ाकर 408.6 किलोग्राम कर दिया है। केवल तीन महीनों में ईरान ने संवर्धित यूरेनियम की मात्रा को करीब 50 फीसदी तक बढ़ाया। आईएनए रिपोर्ट से हुआ खुलासा, इजराइल-अमेरिका की घबराए रिपोर्ट के मुताबिक यह स्तर परमाणु हथियार बनाने के बेहद करीब है और इसे दो हफ्तों से भी कम समय में 90 फीसदी संवर्धित हथियार-योग्य यूरेनियम के स्तर तक बदला जा सकता है। वहीं तेहरान दावा करता है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है, लेकिन कहा जा रहा है कि वह यह पुष्टि नहीं कर पा रहा कि ईरान की गतिविधियां सिर्फ नागरिक उपयोग तक सीमित हैं या नहीं।

गाजा में जीएचएफ ने मानवीय सहायता का वितरण रोका

गाजा पट्टी, 04 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका समर्थित गाजा ह्यूमैनेटैरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) ने गाजा में मानवीय सहायता का वितरण रोक दिया है। इससे फिलिस्तीनी नागरिकों के सामने भविष्य में खाद्य संकट गहराने की आशंका है। जीएचएफ ने घोषणा की है कि केंद्रों से भोजन सामग्री और अन्य जरूरी सामान का वितरण नहीं किया जाएगा। सभी वितरण केंद्र बंद रहेंगे।

इजराइल की खबर के अनुसार, वितरण केंद्रों के आसपास बार-बार की गई गोलीबारी की वजह से ऐसा करना पड़ा है।



जीएचएफ ने वितरण केंद्रों पर इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) से सुरक्षा बढ़ाने का आग्रह किया है। जीएचएफ ने घोषणा की है कि उसके सहायता वितरण केंद्र बुधवार को संचालित नहीं होंगे। इस बीच आईडीएफ ने कहा है कि

गुरुवार को संचालन दोबारा शुरू करने से पहले वितरण स्थलों तक सुरक्षित पहुंच मार्ग तैयार किया जाएगा। जीएचएफ के प्रवक्ता ने कहा कि लगातार तीसरे दिन भोजन के डिब्बे लेने की कोशिश कर रहे फिलिस्तीनियों को निशाना बनाया

गया। आईडीएफ के अरबी भाषा के प्रवक्ता ने भी एक बयान जारी कर फिलिस्तीनियों को चेतावनी दी कि सहायता स्थलों की ओर जाने वाली सड़कों पर यात्रा करना अंतरिम रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इन सड़कों को युद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है।

पाकिस्तान ने भारतीयों को किडनैप किया, ईरान ने मुक्त कराया

तेहरान, 04 मई (एजेंसियां)।

पिछले सप्ताह विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वह लापता भारतीयों के मामले में ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है। ईरानी दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, तीन लापता भारतीय नागरिक मुक्त करा लिए गए हैं। उसने कहा, ईरान के स्थानीय मीडिया का कहना है कि पुलिस ने ईरान में लापता हुए तीन भारतीयों को ढूंढकर छुड़ा लिया है। ये तीनों भारतीय पंजाब राज्य के रहने वाले हैं और मई महीने की शुरुआत में ईरान में लापता हो गए थे। तीनों भारतीय नागरिकों की पहचान हुसैनप्रत सिंह (संगरूर), जसपाल सिंह (एसबीएस नगर), और अमृतपाल सिंह (होशियारपुर) के रूप में हुई है। वे 1 मई को ईरान पहुंचे थे।

तीनों युवकों के परिवार ने भी इस बात की पुष्टि की है कि उन्हें सुरक्षित रिहा करा लिया गया है। हुसैनप्रत की मां बलविंदर कौर ने कहा, उन्हें



पुलिस ने बचा लिया है। मुझे इस बारे में समाचारों से पता चला। हुसैनप्रत के पिता की मौत हो चुकी है। उनके मामा रमेश शर्मा ने बताया कि परिवारों को सोमवार को उनके बेटे और उसके साथियों से फोन आया, जिनका अपहरण कर लिया गया था। उन्होंने कहा, वहां मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें फोन करके हमें सूचित करने की अनुमति दी। हमें सोमवार को फोन आया, जिसमें लड़कों ने बताया कि पुलिस ने उन्हें अपहरण से सुरक्षित बचा लिया है और आरोपी पाकिस्तानी किडनैपर को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि, उनमें से कितने लोग शामिल थे और कब गिरफ्तार किए गए, यह अभी भी पता नहीं चल पाया है। सरकार को धन्यवाद देते हुए शर्मा ने कहा, लड़कों की भारत वापसी के बारे में, यह सरकार पर निर्भर है क्योंकि यह एक बाहरी मामला है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को ईमेल

भेजे हैं। भारतीय दूतावास ने इस मामले को 28 मई को उठाया था, जब पीडिंजों के परिवारों ने उनकी गुमशुदगी की सूचना दी। दूतावास ने ईरानी अधिकारियों से तत्काल और गहन जांच की मांग की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 29 मई को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, हम ईरानी अधिकारियों के साथ दैनिक संपर्क में हैं और हमें उनकी ओर से अच्छा सहयोग मिल रहा है। हम परिवारों के साथ भी संपर्क में हैं और उन्हें हर संभव मदद प्रदान कर रहे हैं। इस मामले में होशियारपुर के एक टैबल एजेंट के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज की गई है, जो कथित तौर पर फरार है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, तीनों भारतीय नागरिकों को जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा। भारतीय दूतावास ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय बनाए हुए है ताकि उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो सके।

बीएसएफ ने पेश किया तीन साल का ब्यौरा

5000 घुसपैठिए बांग्लादेश भेजे गए

प. बंगाल में सबसे ज्यादा गिरफ्तारी

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

भारत में लगातार बांग्लादेशी घुसपैठियों को पहचान कर वापस भेजने की प्रक्रिया जारी है। देश के अलग-अलग हिस्सों से घुसपैठिए पकड़ कर ऑपरेशन पुश-बैक में वापस भेजे जा रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बताया है कि उन्होंने पिछले तीन साल में 5,000 घुसपैठिए पकड़े गए, जो चोरी-छुपे भारत में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

बीएसएफ ने बताया कि 2023 में 2406 घुसपैठियों को पकड़ा गया। 2024 में 2425 घुसपैठियों को पकड़ा गया और 2025 में अब तक 557 घुसपैठियों को पकड़ कर वापस उनके देश भेजा जा चुका है। बीएसएफ ने अधिकांश घुसपैठिए पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में पकड़े हैं। इसमें भी सबसे अधिक घुसपैठ पश्चिम बंगाल में दर्ज की गई है। पिछले 3 साल में पश्चिम बंगाल में 2688 घुसपैठियों को पकड़ा गया। इनमें से 90 प्रतिशत घुसपैठियों पश्चिम बंगाल के सीमाई इलाकों से



पकड़े गए थे। पश्चिम बंगाल के अलावा मिजोरम जैसे राज्यों में भी काफी घुसपैठ देखी गई। असम और त्रिपुरा में ऐसे मामले कम मिले। खुली सीमा होने के कारण बांग्लादेशी घुसपैठिए त्रिपुरा से भी अंदर आने का प्रयास करते हैं। त्रिपुरा में पिछले तीन साल में घुसपैठ

की कोशिशों की संख्या 771 रही। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों के बड़ी संख्या में आने का मुद्दा गृह मंत्री अमित शाह लगातार उठा रहे हैं। अमित शाह ने स्पष्ट कहा है कि पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों को टीएमसी सरकार का आशीर्वाद

मिला हुआ है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घुसपैठियों के लिए सीमाएं खोल रखी हैं।

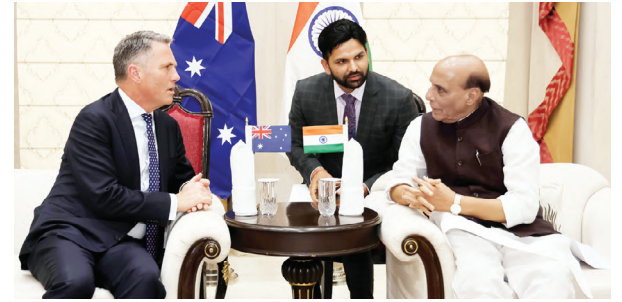
बीएसएफ सीमा पर घुसपैठियों को पकड़ कर वापस भेज रही है। दूसरी तरफ ऑपरेशन पुश-बैक भी तेजी से चल रहा है। इसके तहत अब तक

2000 अवैध घुसपैठियों को वापस बांग्लादेश भेजा जा चुका है। इसके अलावा देश के अलग-अलग जगहों पर छुपकर रह रहे लगभग 2000 घुसपैठिए अब वापसी के लिए तैयार हो गए हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब घुसपैठियों की जानकारी बायोमेट्रिक के जरिए भी सहेज रही हैं। इसे राष्ट्रीय डेटाबेस से भी जोड़ा जाएगा। इससे दोबारा देश में घुसपैठियों के घुसने पर जानकारी निकालना और कार्रवाई करना आसान हो जाएगा।

ऑपरेशन पुश-बैक अप्रैल 2025 से चल रहा है। यह भारत सरकार की नई रणनीति है, जिसका उद्देश्य अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंय्या घुसपैठियों से त्वरित रूप से निपटना है। गृह मंत्रालय ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंय्याओं की पहचान और राष्ट्रीयता की पुष्टि के लिए 30 दिन की समय सीमा तय की है। इसके बाद भारतीय सुरक्षाबल घुसपैठियों को तुरंत सीमा पार बांग्लादेश की ओर धकेल रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम और रक्षा मंत्री की हुई बैठक

ऑस्ट्रेलिया से और मजबूत होगी रक्षा साझेदारी



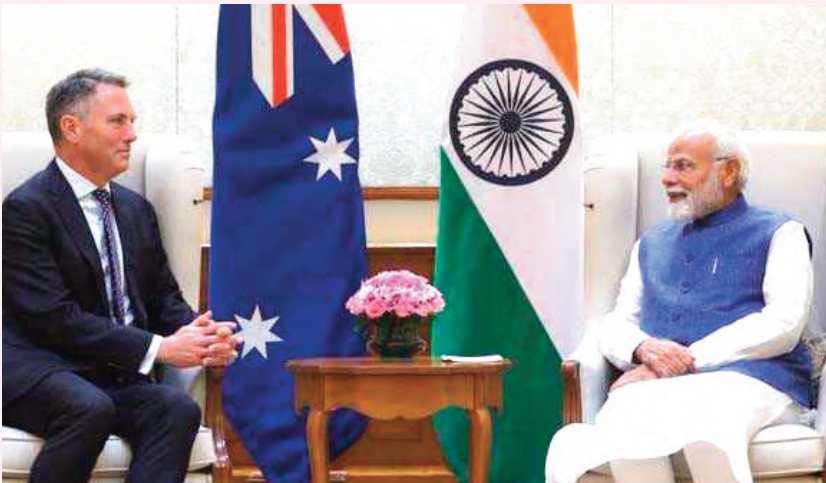
नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस भारत दौर पर हैं। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया रक्षा मंत्री ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इससे पहले रिचर्ड मार्लेस ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पहुंचकर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस को दिल्ली स्थित मानेकशां सेंटर में गाई ऑफ ऑनर दिया गया।

बैठक के बाद भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ बैठक में भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी की समीक्षा की गई। इनके नेतृत्व में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग मजबूत हो रहा है और यह

हमारी रणनीतिक साझेदारी का अहम स्तंभ बनकर उभरा है। पहलगांम आतंकी हमले के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के एकमत समर्थन के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया को धन्यवाद देता है। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए चार देशों के दौर पर हैं। मार्लेस भारत के अलावा मालदीव, श्रीलंका और इंडोनेशिया भी जाएंगे। रिचर्ड मार्लेस का दक्षिण एशिया दौरा 2 जून को शुरू हुआ था। रिचर्ड मार्लेस के भारत दौर को लेकर भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त ने कहा कि मार्लेस का यह भारत दौरा, दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर मार्लेस का भारत दौरा हो रहा है।

मोदी से मिले ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री



नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने आज यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में हुए संघीय चुनावों में ऑस्ट्रेलिया की लेबर पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर उप प्रधानमंत्री मार्लेस को बधाई दी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार दोनों नेताओं ने

भारत-ऑस्ट्रेलिया समग्र रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। इस साझेदारी के इस वर्ष पांच साल पूरे हो गए। उन्होंने रक्षा औद्योगिक सहयोग, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों, नवीन और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि स्थिर, सुरक्षित

और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए साझा दृष्टिकोण द्विपक्षीय सहयोग का मार्गदर्शन करता रहेगा। उप प्रधानमंत्री मार्लेस ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में ऑस्ट्रेलिया के समर्थन को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानियो को इस वर्ष के अंत में भारत में आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया।

नेपाल की राजधानी काठमांडू पर घिरे संकट के बादल

राजा की वापसी के नारों से गूंज रहा है देश

काठमांडू, 04 जून (एजेंसियां)।

भारत के पड़ोसी हिमालयी देश नेपाल में कुछ समय घट रहे घटनाक्रमों ने देश को एक गंभीर राजनीतिक संकट में डाल दिया है। पूर्व गृह मंत्री कमल थापा को गिरफ्तार किए जाने तथा राजा आओ, देश बचाओ के नारों की गूंज ने राजधानी काठमांडू में असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है। आए दिन हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरकर राजशाही को वापस लाने की मांग कर रहे हैं। देश में राजा की वापसी को लेकर हर नुकड़ पर चर्चाएं चल रही हैं। इसके बरक्स लोकतंत्र समर्थकों का मानना है कि देश के लिए राजशाही शायद उतनी कारगर नहीं रहने वाली है।

काठमांडू में देश के पूर्व गृह मंत्री कमल थापा को गिरफ्तार कर लिया गया है। वे राजशाही लाने के प्रदर्शन में शामिल हुए थे। प्रदर्शन के बीच से उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रदर्शनकारी पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के चित्र हाथों में लेकर नारे लगा रहे थे कि नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित करो।



इसी विरोध प्रदर्शन में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) और आरपीपी नेपाल के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया था। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के सरकारी आवास बालू-वाटर की ओर तरफ बढ़ने की कोशिश में थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ

झड़प हुई और थापा को गिरफ्तार किया गया।

काठमांडू में देश के पूर्व गृह मंत्री कमल थापा को गिरफ्तार कर लिया गया है। वे राजशाही लाने के प्रदर्शन में शामिल हुए थे। 2008 में नेपाल में राजशाही खत्म हुई थी। उसके बाद लोकतांत्रिक पद्धति अपनाई तो

गई लेकिन वह सही मायनों में कभी सफल नहीं हुई। संविधान में भी फेरबदल हुआ। जोड़ तोड़ कर हर रंग-रूप की सरकारें बनती रहीं लेकिन स्थायित्व नहीं आया। इस राजनीतिक अस्थिरता से विकास आदि के काम मद्धम पड़ते गए। गत 16 साल से उप देश में 10 प्रधानमंत्री सरकार चला चुके हैं, लेकिन किसी के लिए भी अपना काम करना सहज नहीं रहा।

नेपाली कांग्रेस, माओवादी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं पर भ्रष्टाचार और सत्ता संघर्ष के आरोप लगते रहे हैं। कम्युनिस्ट नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड, केपी शर्मा ओली और नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा जैसे नेताओं की नीतियों से जनता में संतोष की बजाय असंतोष ही बढ़ता दिखा। असल में देखा जाए तो नेपाल में 240 साल से ज्यादा वक्त से राजशाही की परंपरा रही है। 1768 में राजा पृथ्वी नारायण शाह देव ने नेपाल को एकीकृत किया था। राजा बीरेन्द्र बीर बिक्रम शाह देव के

शासनकाल (1990-2001) को संवैधानिक राजशाही का शानदार उदाहरण माना जाता है। लेकिन 2001 में राजपरिवार हत्याकांड और 2006 में जनांदोलन के बाद राजशाही का धीरे धीरे अंत हो गया। परन्तु आज जैसी परिस्थितियां बनी हैं, उनमें राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, विकास न होने जैसे अनेक कारण हैं जिन्होंने राजशाही समर्थकों की संख्या को एकाएक बढ़ाया है। ये सभी मांग कर रहे हैं कि नेपाल में राजशाही वापस लौटे और देश एक बार फिर से हिंदू राष्ट्र बने। नेपाल आज फिर से दोराहे पर खड़ा है। राजशाही समर्थकों और लोकतंत्र समर्थकों के बीच बहस बढ़ती जा रही है। राजशाही का पलड़ा भारी होता दिखा है, क्योंकि राजनीतिक दलों ने सिर्फ अपने स्वार्थ साधने का काम किया है। देश में गंभीर राजनीतिक संकट पैदा हुआ है। भ्रष्टाचार और आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। ऐसे में वह हिमालयी देश किस करवट बैठेगा, यह समय ही बताएगा।

कश्मीर पहुंचेगी रेल, पर जम्मू-कटड़ा के व्यापारियों का निकल जाएगा तेल !

जम्मू, 04 जून (ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला इससे बार-बार इंकार करते हैं पर यह सच है कि विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थान वैष्णो देवी के बेस कैम्प कटड़ा में रेल पहुंचने बाद से ही जम्मू के व्यापारियों का तेल निकल चुका है। और अब कश्मीर तक सीधी रेल पहुंचने से चिंता में सिर्फ जम्मू ही नहीं बल्कि कटड़ा भी है। हालत यह है कि पहले से ही उधमपुर में रेल पहुंचने के बाद पेशानी में डूबे जम्मू के व्यापारियों के लिए कटड़ा तक की रेल लाइन कोई खुशी नहीं आई थी और अब इसके कश्मीर तक पहुंचने पर भी कोई खुशी नहीं ला रही है।

ऐसा इसलिए है कि क्योंकि वैष्णो देवी के तीर्थस्थान पर प्रतिवर्ष आने वाले एक करोड़ के कर्मी श्रद्धालुओं के लिए कटड़ा में रेल पहुंचने से पहले तक जम्मू ही एक सबसे बड़ा बिजनेस केंद्र

था। आंकड़ों के मुताबिक, इन श्रद्धालुओं के कारण जम्मू शहर को 10 से 20 करोड़ की मासिक आय होती थी।

इसमें उन फौजियों द्वारा खर्च की जाने वाली राशि शामिल नहीं है जो उधमपुर की नार्दन कमान के तहत आने वाले क्षेत्रों में तैनात हैं और उन्हें अपने अपने घरों में जाने के लिए जम्मू से ही रेल पकड़नी पड़ती थी।

नतीजतन अब तयशुदा कार्यक्रम के अनुसार, 6 जून से कटड़ा से कश्मीर में रेल पहुंच जाएगी तो जम्मू के साथ साथ कटड़ा का व्यापार भी पूरी तरह से मिट्टी में मिल जाएगा इसके प्रति कोई दो राय नहीं है।

जम्मू के एक स्थानीय फैक्टरी के मालिक जो स्थानीय बाजार के लिए खाने पीने की वस्तुओं का निर्माण करते हैं, कहते हैं कि कश्मीर में रेल पहुंचने का अर्थ

होगा के व्यापार को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर देना। ऐसी ही चिंता कटड़ा में होटल के मालिक वेद प्रकाश प्रकट करते हैं। उनका कहना है कि अब वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं को कटड़ा में रोक पाना शायद ही संभव हो पाए।

असल में कटड़ा में रेल के पहुंचने से पहले तक वैष्णो देवी आने वाले एक करोड़ के कर्मी श्रद्धालु जब अपने घरों को लौटते थे तो कश्मीर की यादगार के रूप में शाल, पेपरमाशी की वस्तुएं, अखरोट, बादाम, शहद, राजमाश और केसर समेत अन्य वस्तुओं की खरीददारी जम्मू से ही इसलिए करते हैं क्योंकि कश्मीर में जाना उनके लिए संभव नहीं हो पाता था।

फिर यही सामग्री कटड़ा से खरीदी जाने लगी तो जम्मू की व्यापार की वाट लग गई। ऐसे ही दौर से अब कटड़ा के व्यापारी भी

जूझने को तैयार हैं क्योंकि पर्यटक इन वस्तुओं को सीधे कश्मीर से ही खरीदेंगे।

एक अनुमान के अनुसार, प्रतिमाह इन्हीं वस्तुओं पर ही आने वाले पर्यटक तथा श्रद्धालु जम्मू में 4 से 6 करोड़ की राशि इसलिए भी खर्च करते थे क्योंकि जम्मू से ही उन्हें रेल पकड़नी होती थी और यहीं से उन्हें आगे के लिए यातायात के अन्य साधनों का इस्तेमाल करना होता था। ऐसे में हमारे व्यापार का क्या होगा। पहले उधमपुर तक रेल के पहुंचने के कारण फौजी सीधे वहीं उतरने लगे थे और फिर कटड़ा में और अब सीधे कश्मीर, रेलवे स्टेशन पर अखरोट और बादाम बेचने वाले जुगल शर्मा का कहना था। इसी प्रकार की स्थिति अन्य व्यापारियों तथा होटलवालों की भी है जो उधमपुर और कटड़ा तक रेल के पहुंच जाने से बुरी

तरह से प्रभावित हो चुके हैं। जबकि अब कटड़ा के व्यापारियों को भय इस बात का है कि कश्मीर में पहुंचने वाली रेल उनके व्यापार को भी अपने साथ बहा कर ले जाएगी। ऐसी चिंता से त्रस्त होने वालों में होटलवालों के अतिरिक्त छोटे मोटे रेस्तरां के मालिक तो हैं ही टैक्सी तथा टूर एंड टेक्स्वल एजेंसी चलाने वाले भी हैं।

यूं तो सरकार जम्मू के व्यापार को न मरने देने की बात करती रही थी परंतु हकीकत यह है कि अभी तक धरातल पर कुछ ठोस नहीं किया गया है और रेल पटरी अपनी रफ्तार से अब कश्मीर की ओर बढ़ती जा रही है। कहा यही जा रहा था कि रेल कटड़ा तक पहुंचेगी तो जम्मू में पर्यटक कुछ दिनों के लिए रूक पाएंगे ऐसा कुछ भी नहीं किया गया आज तक। सिवाय आश्वासन देने के।

तत्काल टिकटों के अनाधिकृत बुकिंग नेटवर्क पर रेलवे का कड़ा प्रहार

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

भारतीय रेलवे ने पारदर्शिता, सुरक्षा और उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, अपने टिकटिंग बुनियादी ढांचे में व्यापक डिजिटल बदलाव करके ढाई करोड़ संदिग्ध आईडी निष्क्रिय करके अनाधिकृत तत्काल बुकिंग पर कड़ा प्रहार किया है जिसके बाद वास्तविक उपयोगकर्ताओं को बहुत राहत मिली है।

रेल मंत्रालय ने बुधवार को यहां नयी जानकारी देते हुए कहा कि नये डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अत्याधुनिक एंटी-बीओटी सिस्टम के इस्तेमाल और एक प्रमुख कंटेन्ट डिलीवरी नेटवर्क (सीडीएन) सेवा प्रदाता के साथ एकीकरण के माध्यम से, रेलवे ने तत्काल श्रेणी के टिकटों की अनाधिकृत स्वचालित बुकिंग पर काफी हद तक अंकुश लगाकर वास्तविक उपयोगकर्ताओं के लिए वेबसाइट की पहुंच में सुधार किया है।

नए सिस्टम ने सभी बॉट ट्रैफिक को प्रभावी रूप से कम कर दिया है, जो तत्काल योजना के पहले पांच मिनट के दौरान चरम पर होता है। इस अवधि के दौरान कुल लॉगिन प्रयासों में बॉट ट्रैफिक का हिस्सा 50 प्रतिशत तक होता है। यह वृद्धि वास्तविक उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर पहुंच सुनिश्चित करती है। इसका परिणाम यह हुआ कि टिकट बुकिंग के लिए 2.5 करोड़ संदिग्ध उपयोगकर्ता आईडी निष्क्रिय कर दी गई हैं। 22 मई को एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई, जिसमें

31 हजार 814 टिकटों की प्रति मिनट सबसे अधिक बुकिंग हुई जो इस उन्नत प्लेटफॉर्म की मजबूती एवं विश्वसनीयता को दर्शाता है।

निष्पक्षता और दक्षता को और बढ़ाने के लिए, नए उपयोगकर्ता प्रोटीकोल पेश किए गए हैं। आधार के माध्यम से प्रमाणित नहीं होने वाले उपयोगकर्ता पंजीकरण के 3 दिन बाद ही ओपनिंग एआरपी, तत्काल या प्रीमियम तत्काल टिकट बुक कर सकते हैं, जबकि आधार-सत्यापित उपयोगकर्ता बिना देरी के टिकट बुक कर सकते हैं।

इन प्रयासों से जबर्दस्त सुधार दिखायी दिया है। औसत दैनिक उपयोगकर्ता लॉगिन वित्त वर्ष 2023-24 में 69.08 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 82.57 लाख हो गया जो 19.53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। इसी अवधि में औसत दैनिक टिकट बुकिंग में 11.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, ई-टिकटिंग अब कुल आरक्षित टिकट बुकिंग का 86.38 प्रतिशत हिस्सा है।

रेल मंत्रालय ले टिकट बुकिंग प्रणाली में सुधारों का विवरण देते हुए कहा कि 87 प्रतिशत सामग्री को तेज लोड समय और कम सर्वर लोड के लिए सीडीएन के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। परिष्कृत एआई एल्गोरिदम का उपयोग करके बॉट ट्रैफिक का सक्रिय पता लगा कर उसे कम किया जा रहा है। संदिग्ध उपयोगकर्ता आईडी को सक्रिय रूप से निष्क्रिय करके साइबर अपराध पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करायी गई है।

फिल्म में वो आखिरी बार दिखी थीं, उस किरदार में कुछ फन मोमेंट भी जोड़े गए थे। मल्लिका शेरावत को एक्टिंग में आने के लिए घर छोड़ना पड़ा था। दरअसल उनके पिता आईएएस बनाना चाहते थे। लेकिन जब ऐसा नहीं हो पाया, तो उन्हें घर से बाहर निकाल दिया गया था। हालांकि, एक्ट्रेस ने अपनी मां का सरनेम शेरावत अपनाकर पहचान हासिल की। फिल्मों से न सही, लेकिन आज भी लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है।



गंगा दशहरा पर मिलेगा हस्त नक्षत्र, सिद्धि योग और रवि योग का फल

गंगा दशहरा आज मनाया जाएगा

सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए भवसागर से पार लगाने वाली गंगा नदी बहुत महत्व रखती है। पुराणों के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी को हस्त नक्षत्र में गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। भगवान विष्णु के अंगूठे से निकली गंगा मैया के धरती लोक पर आने का पर्व गंगा दशहरा इस साल 5 जून को मनाया जाएगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ज्येष्ठ महीने के शुक्लपक्ष के दसवें दिन यानी दशमी तिथि को धरती पर गंगा प्रकट हुई थीं। इसलिए इस दिन गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस साल ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि की शुरुआत 4 जून की रात को 11: 54 मिनट से होगा और इसका समापन 6 जून की रात को 2:15 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, गंगा दशहरा 5 जून को ही मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 9:14 मिनट तक सिद्धि रहेगा। इसके साथ ही रवि योग और हस्त नक्षत्र भी रहेंगे। हिंदू धर्म में गंगा दशहरा का बहुत अधिक महत्व होता है। इस दिन विधि- विधान से मां गंगा की पूजा- अर्चना की जाती है।

भागीरथ अपने पूर्वजों की आत्मा का उद्धार करने के लिए माँ गंगा को धरती पर लाए थे, इसी कारण गंगाजी को भागीरथी भी कहा जाता है। मान्यता है कि गंगा मैया मन, वाणी और शरीर द्वारा होने वाले दस प्रकार के पापों का हरण करती हैं। ऐसा कहा जाता है कि आज के दिन गंगा स्नान से कई यज्ञ करने के बराबर पुण्य प्राप्त होते हैं, इस दिन दान का भी विशेष महत्व है। इस दिन शर्बत, पानी, मटका, पंखा, खरबूजा, आम, चीनी आदि चीजें दान की जाती हैं। ऐसा कहा जाता है कि व्यक्ति इस दिन जिस भी चीज का दान करते हैं वो संख्या में 10 होनी चाहिए।

स्कन्द पुराण के अनुसार गंगाजी की महिमा का गुणगान करते हुए भगवान शिव श्री विष्णु से कहते हैं-हे हरि ! ब्राह्मण के श्राप से भारी दुर्गति में पड़े हुए



नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

जीवों को गंगा के सिवा दूसरा कौन स्वर्गलोक में पहुंच सकता है, क्यों कि माँ गंगा शुद्ध, विद्यास्वरूपा, इच्छाज्ञान, एवं क्रियारूप, दैहिक,दैविक तथा भौतिक तापों को शमन करने वाली,धर्म,अर्थ,काम एवं मोक्ष चारों पुरुषार्थों को देने वाली शक्ति स्वरूपा हैं। इसलिए इन आनंदमयी, धर्मस्वरूपणी, जगत्धात्री, ब्रह्मस्वरूपणी गंगा को मैं अखिल विश्व की रक्षा करने के लिए लीलापूर्वक अपने मस्तक पर धारण करता हूँ। हे विष्णो! जो गंगाजी का सेवन करता है,उसने सब तीर्थों में स्नान कर लिया,सब यज्ञों की दीक्षा ले ली और सम्पूर्ण व्रतों का अनुष्ठान पूरा कर लिया।

कलियुग में काम, क्रोध, मद, लोभ, मत्सर, ईर्ष्या आदि अनेकों विकारों का समूल नाश करने में गंगा

के समान और कोई नहीं है। विधिहीन, धर्महीन, आचरणहीन मनुष्यों को भी यदि माँ गंगा का सानिध्य मिल जाए तो वे भी मोह एवं अज्ञान के संसार सागर से पार हो जाते हैं। जैसे मन्त्रों में ॐ कार,धर्मों में अहिंसा और कमनीय वस्तुओं में लक्ष्मी श्रेष्ठ हैं और जिस प्रकार विद्याओं में आत्मविद्या और स्त्रियों में गौरीदेवी उत्तम हैं,उसी प्रकार सम्पूर्ण तीर्थों में गंगा तीर्थ विशेष माना गया है। मान्यता है कि गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में स्नान और दान करने से कई महायज्ञों के फल के बराबर फल की प्राप्ति होती है एवं पाप कर्मों का नाश होता है और व्यक्ति को मरणोपरांत मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गंगा दशहरा 5 जून को मनाया जाएगा। दरअसल

दशमी तिथि का आरंभ 4 जून की रात को 11:54 मिनट से होगा और इसका समापन 6 जून की रात को 2:15 मिनट पर होगा। इस तरह गंगा दशहरा उदया तिथि की मान्यता के अनुसार 5 जून को मनाया जाएगा।

गंगा दशहरा शुभ योग

गंगा दशहरा पर सुबह 9:14 मिनट तक सिद्धि रहेगा। इसके साथ ही रवि योग और हस्त नक्षत्र भी रहेंगे। इसके बाद तैलिल करण दोपहर 1:02 मिनट तक रहेगा। इसके बाद गर करण योग देर रात 2:15 मिनट तक रहेगा। पंचांग के अनुसार इन शुभ योगों में स्नान और दान करना अच्छा माना जाता है। इससे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इस दिन गंगा में स्नान और दान करने का है खास महत्व

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस तिथि पर माता गंगा धरती पर अवतरित हुई थीं। ऐसे में हिंदू धर्म में गंगा दशहरा का बहुत खास महत्व होता है। मान्यताओं के अनुसार, इस दिन गंगा में स्नान और दान करने का खास महत्व होता है। ऐसा करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिल सकती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। लेकिन शास्त्रों में गंगा स्नान के कुछ महत्वपूर्ण नियम भी बनाए गए हैं, जिनका ध्यान न रखने से आपके सिर पुण्य की जगह पाप चढ़ सकता है। शास्त्रों में महिलाओं के लिए एक खास नियम का वर्णन भी मिलता है। लेकिन यह गलती अक्सर महिलाएं गंगा स्नान के समय करती हैं, जिससे आपको अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

गंगा स्नान से पहले जरूर करें ये काम

गंगा दशहरा पर गंगा स्नान के समय कुछ नियमों का ख्याल रखने से जातक को पूर्ण फल प्राप्त होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि पवित्र नदी गंगा में प्रवेश करने से पहले व्यक्ति को माता गंगा को प्रणाम करना चाहिए और उनसे जल के भीतर पांव रखने के लिए भी क्षमा मांगनी चाहिए।

इसके बाद, मईया गंगा के आशीर्वाद के साथ गंगा नदी में प्रवेश करना चाहिए। इसके बाद, गंगा में डुबकी लगाना सबसे शुभ माना जाता है। इससे व्यक्ति को माता गंगा का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है।



गंगा में कितनी डुबकी लगाएं

कई बार लोग गंगा स्नान करते समय अपने मन से कितनी भी डुबकी लगा लेती हैं। लेकिन ऐसी गलती बिल्कुल भी नहीं करनी चाहिए। शास्त्रों में गंगा में डुबकी लगाने की संख्या का वर्णन भी किया गया है। अगर आप शुभ संख्या में गंगा में डुबकी लगाते हैं, तो इससे अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है। इसके लिए आप गंगा में कम से कम 5 या 7 बार डुबकी लगा सकते हैं। मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक गंगा दशहरा के दिन गंगा में डुबकी लगाने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिल सकती है और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, गंगा में विधि-विधान से डुबकी लगाने से जातक की मनोकामनाएं भी पूर्ण हो सकती हैं।

गंगा स्नान के समय महिलाएं न करें यह भूल

गंगा दशहरा के दिन पुरुष और महिलाएं गंगा स्नान करके पुण्य फल प्राप्त करते हैं। लेकिन

इस दौरान अगर महिलाओं द्वारा एक भूल हो जाए, तो इससे पुण्य की बजाए आपको पाप लग सकता है और माता गंगा भी रुठ हो सकती हैं। शास्त्रों में बताया गया है कि महिलाओं को गंगा स्नान के समय अपने बालों को बांधकर रखना चाहिए। खुले बालों के साथ गंगा में डुबकी लगाना शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा करने से आपको स्नान का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होगा और जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

गंगा स्नान के समय न उतारें वस्त्र

आपने कई लोगों को देखा होगा की वे गंगा में प्रवेश करने से पहले अपने वस्त्र को उतारकर रख देते हैं और फिर, नदी में प्रवेश करते हैं। शास्त्रों में इसे बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, किसी भी पुरुष या स्त्री को वस्त्र धारण करके ही गंगा में डुबकी लगानी चाहिए। बिना वस्त्र के स्नान करने से

पूजा का फल प्राप्त नहीं होता है और इसे भगवान का अपमान माना जाता है। इसी को लेकर भगवान कृष्ण ने विश्व को संदेश देने के लिए यमुना नदी के किनारे चौर हरण की लीला भी रची थी। श्रीकृष्ण के मुताबिक गंगा स्नान बिना वस्त्र धारण किए करना बिल्कुल भी उचित नहीं होता है।

गंगा में स्नान के बाद न करें यह काम

अगर आप गंगा स्नान करने के बाद अपने गंदे वस्त्र के जल को वहीं निचोड़ते हैं, तो ऐसी गलती बिल्कुल भी न करें। शास्त्रों में ऐसा करना वर्जित माना गया है। ऐसा करने से आपको अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है और आप गंगा स्नान के फल से वंचित रह सकते हैं। ऐसे में गंगा स्नान के बाद अपने वस्त्रों को घर लेकर आना चाहिए और उन्हें पवित्र जल से साफ कर लेना चाहिए। इस प्रकार गंगा स्नान के बाद वस्त्रों का इस्तेमाल करना शुभ माना जाता है। इससे जीवन में खुशहाली आती है और गंगा स्नान का भी पूर्ण फल प्राप्त होता है।

गंगा स्नान के समय जरूर करें ये काम

गंगा दशहरा के दिन गंगा में स्नान करने के साथ-साथ फूल, अक्षत, दूध आदि गंगा नदी में जरूर अर्पित करना चाहिए। साथ ही, दोनों हाथ जोड़कर माता गंगा से जीवन में सुख-समृद्धि की प्रार्थना करनी चाहिए और उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। इस प्रकार गंगा दशहरा के दिन गंगा में डुबकी लगाने से व्यक्ति को जीवन के समस्त दुखों से निजात मिल सकती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं।

इन राशियों पर बरसेगी भगवान शिव की कृपा गंगा दशहरा पर हर मनोकामना होगी पूरी

हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस साल गुरुवार 05 जून को गंगा दशहरा मनाया जाएगा। यह पर्व निर्जला एकादशी के एक दिन पहले मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। इसके बाद देवी मां गंगा और देवों के देव महादेव की पूजा की जाती है। धार्मिक मत है कि ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गंगा स्नान करने से व्यक्ति द्वारा जन्म-जन्मांतर में किए गए पाप नष्ट हो जाते हैं। साथ ही मां गंगा की कृपा से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। ज्योतिषियों की मानें तो गंगा दशहरा के दिन दो राशि के जातकों पर महादेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी।

सिंह राशि –गंगा दशहरा के दिन सिंह राशि के जातकों को कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। धार्मिक यात्रा के योग भी बन रहे हैं। कारोबार को लेकर कोई अहम फैसला ले सकते हैं। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। सरकारी मामले में आप रिसर्च कर सकते हैं। इससे आपको लाभ मिलेगा। गंगा दशहरा के दिन आपको किसी विशेष काम में सफलता मिल सकती है। कारोबार के माध्यम से भी आपको लाभ



मिल सकता है। ऐसा हो सकता है कि आप नया व्यापार करने की सोच सकते हैं। गंगा दशहरा के दिन सफेद चीजों का दान करें। आप चावल, आटा, नमक, आलू, चीनी आदि चीजों का दान करें।

वृश्चिक राशि – गंगा दशहरा के दिन कोई खुशखबरी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। दान-पुण्य करने का अवसर प्राप्त होगा। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। पड़ोसियों के साथ रिश्ते मधुर होंगे। धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। धन बचत करने की प्लानिंग कर सकते हैं। आर्थिक दृष्टिकोण से गंगा दशहरा का दिन शुभ रहेगा। भगवान शिव की कृपा से मनचाही मुद्रा पूरी होगी। परिवार वालों के साथ धार्मिक यात्रा पर जाएंगे। अपनी सेहत का ख्याल रखें। गंगा दशहरा के दिन स्नान-ध्यान के बाद गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक करें। इसके बाद आर्थिक स्थिति अनुसार अन्न और धन का दान करें।

गंगा दशहरा : बाबा गंगाराम मंदिर स्थापना दिवस



विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगतराम जी का पवन धाम, श्री पंचदेव मंदिर राजस्थान के झुंझुनगर में स्थित है, जिस स्थापना 1975 में गंगा दशहरा के दिन में हुई थी

इस देवस्थान का निर्माण बाबा के परम आराधक भक्त शिरोमणि श्री देवकीनन्दन जी ने बाबा गंगतराम जी के स्वप्नादेश के पश्चात् कराया था। तत्कालीन जगद्गुरु शंकराचार्य

स्वामी निरंजनदेव तीर्थ पुरी के सान्निध्य में गंगादशहरा (ज्येष्ठ शुक्ल दशमी) वि.स. 2032 (सन् 1975) के पावन दिन मंदिर का प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण वैदिक विधि से सम्पन्न हुआ था।

अभीष्ट फलदाता सत्यनारायण स्वरूप बाबा की प्रतिमा के दर्शन होते ही कदम स्वयं ही गर्भगृह की ओर बढ़ने लगते हैं एवं मंदिर में दर्शन की लालसा लेकर जाने वाला

श्रद्धालु भाव-विभोर होकर नतमस्तक हो जाता है। मुख्य गर्भगृह के बाईं ओर निर्मित दो अलग-अलग गर्भगृहों में मां दुर्गा व आंजनेय हनुमान की विशाल प्रतिमाएं स्थापित हैं। इसी प्रकार दाहिनी ओर पद्मासन पर धन की दात्री देवी लक्ष्मी की प्रतिमा है एवं अन्य गर्भगृह में त्रिदेवों के देव भगवान शंकर का लिंग स्थापित है, जिसके साथ ही मां पार्वती, गणेश एवं कार्तिकेय आदि शिव परिवार की मूर्तियाँ हैं। सभी देव प्रतिमाएं सफेद संगमरमर से निर्मित हैं एवं कला की उत्कृष्ट कृतियाँ हैं। इस प्रकार इन पाँच देव मंदिरों के कारण ही इस मंदिर का नाम 'पंचदेव मंदिर' पड़ा। आज यही नाम सर्वाधिक लोकप्रिय एवं प्रचलित है।

मंदिर में नियमित रूप से सात आरतियाँ होती हैं। मंदिर सभागार के ऊपर दक्षिण भारतीय शैली में गोपुरम बना हुआ है, जिसमें भगवान विष्णु की विशाल प्रतिमा गरुड़ पर विराजमान है। दोनों ओर भगवान के पार्षद जय-विजय की मूर्तियाँ हैं। भगवान के आयुध शंख और चक्र मूर्तिरूप में दायें-बायें उपस्थित हैं। मंदिर की बाहरी दीवारों



पर बनाये गये भित्तिचित्र बाबा की लीलाओं को प्रदर्शित करते हैं। इस विशाल मंदिर का कलात्मक शिल्प, मनोहारी दृश्य एवं आध्यात्मिक वातावरण ब्रह्मानंद की अनुभूति कराता है।

इस देवस्थान के प्रति लोगों की श्रद्धा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। देश के कोने-कोने से भक्तगण बाबा के दरबार में आते हैं और अपनी श्रद्धा व भक्ति से बाबा

की आराधना करते हैं। यह भक्तों की श्रद्धा व विश्वास का ही फल है कि उनकी सभी मनोकामनायें बाबा के दरबार में अवश्य पूरी होती हैं। प्रथम तो बाबा की चित्ताकर्षक प्रतिमा के दर्शन से ही श्रद्धालुओं के सारे आन्तरिक क्लेश स्वतः ही नष्ट हो जाते हैं एवं जो दिव्यानुभूति होती है, उससे जीवन में नई शक्ति का संचार होता है। यह सब स्वयं अनुभव करके ही जाना जा सकता है।

इस वर्ष मंदिर को बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर को बने 50 वर्ष पूरे हो गए हैं जिसे देश भर में विभिन्न सामाजिक कार्यकर्मा तथा भजन संध्या के माध्यम से स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। अप्रैल माह में पंचदेव मंदिर, झुंझुनू में तीन दिवसीय भव्य समारोह आयोजित किया था जिस में विशाल शोभा यात्रा, सामूहिक अमृतवाणी पाठ, अनुप जलोटा द्वारा विशाल भजन संध्या, नितीश भर्ती द्वारा सैंड आर्ट, तथा गंगा आरती का आयोजन किया गया था। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर हर साल की भांति आज भी झुंझुनू में बाबा गंगाराम धाम – श्री पंचदेव मंदिर में मेला भेरेगा है और गंगा दशहरा का पवन पर्व बड़ी ही धूम धाम से मनाया जायेगा, जिस में देश विदेश से आये बाबा के सैकड़ों भक्त सम्मिलित हो कर बाबा के दर्शन कर अपना जीवन धन्य बनायेगे। इस अवसर पर सुबह बाबा गंगाराम जी का संगीतमय अमृतवाणी पाठ किया जाता है तथा शाम को विशाल भजन संध्या का आयोजन तथा सभी भक्तों के लिए महा प्रसाद की वयवस्था की जाती है।

उत्तर प्रदेश की नेपाल सीमा पर फैला मकड़जाल हट रहा

सीमा क्षेत्र को घेरे बैठे अवैध लोगों से निजात दिला रहे योगी

लखनऊ, 04 जून (एजेंसियां)।

बीते कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश के नेपाल सीमा से सटे जनपदों में बड़ी संख्या में अवैध ढंग से मस्जिदों, मंदरसों, मजराओं और ईदगाहों का निर्माण हुआ। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उन सभी अवैध कब्जों और बिना मान्यता के संचालित मंदरसों के खिलाफ कार्रवाई की गई। प्रदेश के महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती और पीलीभीत जिलों में प्रशासन की ओर से यह कार्रवाई की गई। कुछ मंदरसों को सील कर दिया गया एवं सरकारी भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई में कुल 225 मंदरसों, 30 मस्जिदों, 25 मजारों एवं 6 ईदगाहों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

उत्तर प्रदेश सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि नेपाल सीमा के 15 किलोमीटर दायरे में किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे, मजहबी या शैक्षणिक संस्थान को अवैध संचालन को बंद कर दिया जाएगा। जिला प्रशासन को इस संबंध में कड़े निर्देश दिए गए हैं कि मजहब की आड़ में किए गए अतिक्रमण को चिह्नित किया जाए और उसके खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जाए। महाराजगंज जनपद में कोल्हुई क्षेत्र के ग्राम पंचायत धरैची टोला में जांच करने पर यह पाया गया कि गड्डे की जमीन पर कब्जा कर लिया गया था। उस भूमि पर अवैध ढंग से मंदरसे का निर्माण कर दिया गया था। राजस्व विभाग की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ बुलडोजर चलवाकर मंदरसे को ध्वस्त कर दिया। तहसील फरेंदा ग्राम में अवैध मंदरसे को हटाया गया। तहसील निचलौल में बिना मान्यता के संचालित चार मंदरसों को नोटिस देकर सील कर दिया गया। वहीं महाराजगंज जिला प्रशासन ने 29 अवैध मंदरसों पर कार्रवाई की। इसके साथ ही 9 मस्जिदों, 7 मजारों एवं एक ईदगाह का



अतिक्रमण हटवाया गया।

सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ के ग्राम बगुलहवा में अवैध मंदरसे को हटाने के लिए नोटिस दिया गया। इसके बाद मजारों को हटाया गया। 164 मंदरसों ने खुद अतिक्रमण को हटा लिया। सिद्धार्थनगर जनपद में ही सरकारी भूमि पर स्थित कुल 171 अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया। वहां पर जांच के दौरान यह पाया गया कि 35 मंदरसे, 9 मस्जिदें, 2 मजारें और एक ईदगाह को सरकारी जमीन पर अवैध ढंग से निर्मित किया गया है। इसमें 8 मंदरसे, 2 मस्जिदें और एक मजार का अतिक्रमण हटाया गया।

बलरामपुर जनपद में अवैध मंदरसों पर सख्त कार्रवाई की गई। बिना मान्यता के चल रहे सात मंदरसों को चिह्नित किया गया। इन सभी को अवैध ढंग से निर्मित किया गया था। जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर इन सात मंदरसों को ध्वस्त कर दिया। बलरामपुर में बिना मान्यता के 24 मंदरसे संचालित किए जा रहे थे। इन सभी को बंद करा दिया गया। श्रावस्ती जनपद में तहसील जमुनहा के ग्राम रामपुर बस्ती में शासकीय भूमि पर स्थित अवैध मंदरसे को ध्वस्त कर दिया गया। भिन्ना तहसील के ग्राम केशवापुर, जोगिनभरिया में स्थित मंदरसे को भी बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। इसके साथ ही निजी भूमि पर

बिना मान्यता के संचालित दो मंदरसों को चिह्नित कर सील किया गया। वहीं भिन्ना तहसील के ग्राम भरथा रोशनगढ़ में एक अवैध मजहबी स्थल समेत पांच मजारों को हटाया गया। 164 मंदरसों पर उन्हें बेदखली की कार्रवाई की गई है। जांच में पाया गया कि जनपद में 68 मंदरसे बिना मान्यता के चल रहे थे। इन सभी मंदरसों को सील कर दिया गया।

बहराइच जनपद में पाया गया कि मंदरसा जामिया गुलशने रजा हबीबुल उलूम को 40 वर्ष पहले खेल के मैदान पर कब्जा करके बनाया गया था। जांच में मंदरसा संचालक यह भी नहीं बता पाया कि मंदरसा संचालन के लिए फंड कहां से मिलता है।

इस मंदरसे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए सील कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बहराइच जनपद में 491 मंदरसे बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इनमें से करीब 107 मंदरसे ऐसे हैं, जो बिना मान्यता के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र-नानप्रारा-में संचालित हो रहे हैं। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में अवैध ढंग से संचालित होने वाले अधिकतर मंदरसे आवासीय हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्र का कहना है कि भारत-नेपाल बॉर्डर पर चिह्नित किए गए अवैध मंदरसों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बहराइच जनपद में एक अवैध मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया। अभी

तक कुल 171 अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया है।

लखीमपुर खीरी में भी अवैध निर्माण पर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि सार्वजनिक भूमि पर तीन अवैध अतिक्रमण चिह्नित किए गए। अवैध ढंग से निर्मित मजार, एक मस्जिद व दो ईदगाह से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इसके साथ ही एक ईदगाह को सील भी कर दिया गया। आठ मंदरसों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पीलीभीत में सार्वजनिक भूमि पर बनी एक अवैध मस्जिद को चिह्नित किया गया। इसके पश्चात इस मामले में नोटिस जारी किया गया है। अवैध ढंग से मस्जिद निर्माण करने वाले छह व्यक्तियों से 15 दिन में जवाब मांगा गया है।

देश में पिछले कुछ वर्षों में मंदरसा शिक्षा को लेकर चले विमर्श ने जोर पकड़ा है। किसी को मजहबी शिक्षा से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन केवल दीनी तालीम लेने भर से उनका भविष्य सुरक्षित नहीं हो जाएगा।

दरअसल, जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने हाल ही में कहा है कि वह गैर मान्यता प्राप्त मंदरसों को जबर्न बंद कराए जाने के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाएंगी। वह इस कदम को संविधान और मुस्लिम विरोधी बता रही है। उत्तर प्रदेश कार्यकारिणी समिति की बैठक में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रदेश अध्यक्ष मौलाना अशहद रशीदी ने कहा है कि इस कार्रवाई को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाएगी।

जमीयत उन मंदरसों की वकालत कर रही है जो किसी नियम से नहीं चलते। बता दें कि उत्तर प्रदेश में नेपाल से सटे बहराइच, श्रावस्ती, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत जिलों में प्रशासन द्वारा अवैध कब्जे और बिना मान्यता के संचालित किए जाने का आरोप लगाते हुए 200 से ज्यादा मंदरसों को बंद

कराया जा चुका है। वर्तमान में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य एवं पूर्व में राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग (एन-सीपीसीआर) के अध्यक्ष रहे प्रियंकर कानूनगो कहते हैं, इस संगठन के मौलवी यह नहीं चाहते कि बच्चे आधुनिक शिक्षा से जुड़ें। ऐसे मंदरसों में केवल दीनी तालीम देकर उन्हें आधुनिक शिक्षा से दूर किया जा रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता सुबुही खान कहती हैं, किसी भी बच्चे का भविष्य उसे दी गई शिक्षा से बनता है, लेकिन अवैध तरीके से चलाए जा रहे मंदरसों में केवल दीनी तालीम दी जाती है। ऐसे में जमीयत उलेमा-ए-हिंद का गैर मान्यता प्राप्त मंदरसों को संचालित किए जाने का समर्थन करना बहुत गलत है। जमीयत-उलेमा ए हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना सुहैब कासमी का कहना है, जमीयत वह संस्था है जो पिछले 70 साल से मुसलमानों बरगलाने का काम कर रही है।

इसके लोग मुसलमानों का इस्तेमाल अपने स्वार्थ के तौर पर करते चले आ रहे हैं। ये दुनिया भर के देशों में जाकर यही बताते हैं कि भारत में मुसलमान बहुत परेशान हैं। उनसे मस्जिदें छीनी जा रही हैं। मंदरसे बंद किए जा रहे हैं। हम उनको पढ़ा रहे हैं, इसलिए आए हमें पैसा दीजिए। यह पूरा खेल मोटा चंदा लेने के लिए किया जाता है। मप्र राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. निवेदिता शर्मा कहती हैं, गैर मान्यता प्राप्त या अवैध मंदरसे बंद होने चाहिए। दीनी तालीम देना यदि जरूरी है तो साथ में ऐसी शिक्षा भी दी जानी चाहिए जिससे बाद में बच्चा योग्य बन सके।

उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश अंसारी का कहना है कि सरकार की मंशा है कि जो भी शिक्षा दी जाए, वह मानकों के अनुरूप दी जाए। हमारा पूरा प्रयास है कि मंदरसों की शिक्षा व्यवस्था सीबीएसई या आईसीएसई बोर्ड की तरह मानक के अनुरूप कार्य करे।

दिव्यांगजनों की बढ़ेंगी सुविधाएं, योजनाओं का विस्तार करेगी योगी सरकार



लखनऊ, 04 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए न केवल वर्तमान योजन-1ओं का प्रभावी संचालन कर रही है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक विस्तृत और दूरदर्शी खाका तैयार कर चुकी है। आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 से लागू होने वाली योजनाएं इस दिशा में मील का पत्थर साबित होने वाली हैं, जिनके माध्यम से दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मसम्मान, अवसर और आत्मनिर्भरता की भावना को और अधिक बल मिलेगा।

प्रदेश में अभी तक 25 जनपदों में बचपन-डे-केयर सेंटर संचालित हैं, जिसमें सभी मंडल मुख्यालय व 7 महत्वाकांक्षी जिले शामिल हैं।

योगी सरकार इसका विस्तार करते हुए इसे 26 और जिलों में संचालित करने की योजना बना रही है। इन केंद्रों के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को प्रारंभिक देखरेख, शिक्षा और सामाजिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे भविष्य में बेहतर विकास की ओर अग्रसर हो सकें। इसके अतिरिक्त प्रदेश के स्टेडियम व स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्सों को दिव्यांगजन हितैषी बनाए जाने के लिए एक नई योजना प्रस्तावित की गई है, जिसके अंतर्गत सभी खेल परिसर अब दिव्यांगजनों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए

अनुकूलित किए जाएंगे। यह पहल उन्हें न केवल खेलों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करेगी बल्कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को भी सशक्त बनाएगी। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार एक महत्वपूर्ण बदलाव लाने जा रही है। ई-लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल के माध्यम से विशेष विद्यालयों के छात्रों की शैक्षणिक गतिविधियों और कलाओं का प्रभावी पर्यवेक्षण किया जाएगा। इससे डिजिटल तकनीक के सहारे छात्रों की प्रतिभा को संवारने और उनके सर्वांगीण विकास की निगरानी सुनिश्चित हो सकेगी।

योगी सरकार मानसिक रूप से मंदित बच्चों के पुनर्वास को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसके लिए सभी जनपदों में मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना प्रस्तावित है, जिसमें सरकारी एवं गैर सरकारी भागीदारी से ऐसे बच्चों को सुरक्षित वातावरण और आत्मनिर्भर जीवन के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। योगी सरकार शिक्षकों के लिए भी विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत करने जा रही है। विशेष शिक्षकों को फ्रेशर कोर्स और सेवा काल के दौरान प्रशिक्षण की सुविधा दी जाएगी ताकि वे नवीनतम शिक्षण तकनीकों और दिव्यांगजनों की जरूरतों के अनुरूप स्वयं को लगातार अपडेट कर सकें।

चेनाब, झेलम, रावी और सिंधु नदी के जल से होगा बाबा विश्वनाथ का अभिषेक

वाराणसी, 04 जून (एजेंसियां)। निर्जला एकादशी के दिन छह जून को पहली बार चिनाब, झेलम, रावी और सिंधु नदी का जल बाबा विश्वनाथ को अर्पित किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर और सेना के शौर्य को नमन करने के लिए चारों नदियों के जल साथ महाकुंभ का जल भी अर्पित किया जाएगा। 1008 महिलाएं नदियों के जल से भरे कलश को लेकर शोभा यात्रा निकालेंगी। विभिन्न मार्गों से होते हुए बाबा विश्वनाथ के धाम पहुंचेंगी। नदियों के जल से बाबा विश्वनाथ का अभिषेक करेंगी। शिव बारात समिति की ओर से निर्जला एकादशी पर विशेष आयोजन किया जाएगा। चारों नदियों का जल काशी पहुंच चुका है। लद्दाख और जम्मू कश्मीर की नदियों का जल विशेष अनुष्ठान के लिए मंगाया गया है। समिति के दिलीप सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हमारी भारतीय सेना ने पराक्रम और शौर्य की जो गाथा लिखी उसे पूरी दुनिया ने देखा। सेना के शौर्य को नमन करने के लिए विशेष आयोजन किया जा रहा है। चारों नदियों का जल काशी मंगाया जा चुका है। 1008 महिलाएं शोभा यात्रा निकालेंगी। बाबा के दरबार पहुंचकर जलाभिषेक करेंगी। ऑपरेशन सिंदूर में महिलाओं का भी योगदान रहा है। भारतीय सेना की महिलाओं ने पाकिस्तान को सबक सिखा कर अपनी बहनो का बदला लिया। जलाभिषेक यात्रा दशाश्वमेध घाट से शुरू होकर बाबा विश्वनाथ धाम तक जाएगी।

16 जिलों में बनेंगे 1000 मीट्रिक टन क्षमता तक के गोदाम

लखनऊ, 04 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए एक बड़ी योजना को अमल में लाने का निर्णय लिया है। प्रदेश के 16 जिलों में 24 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पेक्स) के माध्यम से 1000 मीट्रिक टन तक की क्षमता वाले गोदाम बनाए जाएंगे। यह परियोजना विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत संचालित की जा रही है। इस योजना से किसानों को उनके कृषि उत्पादों के भंडारण की बेहतर सुविधा मिलेगी। जिससे उन्हें फसल बेचने में जल्दबाजी नहीं करनी पड़ेगी और उचित दाम मिल सकेंगे। इसके अलावा इन गोदामों से कृषि उद्योग तथा रोजमर्रा की वस्तुओं के वितरण और विक्रय का भी सशक्त प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच, रायबरेली, एटा, मथुरा, फर्रुखाबाद, लखीमपुर खीरी, कानपुर नगर, महाराजगंज, कुशीनगर, जालौन, पीलीभीत और झांसी में इन गोदामों का निर्माण किया जा रहा है। 24 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों में 500 से 1000 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदामों का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही इन गोदामों से किसानों को उनकी उपज को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की सुविधा भी मिलेगी।

सबसे अधिक राजस्व निस्तारण में लखनऊ अव्वल

जनपदीय न्यायालयों में जौनपुर ने मारी बाजी

लखनऊ, 04 जून (एजेंसियां)।

प्रदेश में राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त मॉनीटरिंग का असर साफ नजर आ रहा है। सीएम योगी खुद हर माह जिलावार मामलों की समीक्षा भी करते रहते हैं। योगी सरकार की विशेष पहल के तहत तेजी से मामलों के निपटारे की रणनीति को अपनाया गया, जिससे राजस्व विवादों के मामलों में बड़ा सुधार देखने को मिला है। इसी का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश भर में राजस्ववादों के निस्तारण में तेजी देखी गयी है। राजस्व न्यायालय कंयूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली

(आरसीसीएमएस) द्वारा मई माह की जारी रिपोर्ट में पूरे प्रदेश में सबसे अधिक राजधानी में मामलों को निस्तारित किया गया है जबकि जनपद स्तरीय न्यायालय में राजस्व के मामले निपटाने में एक बार फिर जौनपुर ने बाजी मारी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश है कि राजस्व विवादों के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए। उनकी इस पहल का उद्देश्य न केवल जनता को त्वरित न्याय दिलाना है, बल्कि प्रशासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को भी बढ़ावा देना है। इसी के तहत प्रदेश के जिलाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी पूरी तत्परता से मामलों का निस्तारण कर रहे हैं। राजस्व परिषद की आरसीसीएमएस की मई माह की रिपोर्ट के अनुसार मई में पूरे प्रदेश में कुल 3,20,719

राजस्व मामलों को निस्तारण किया गया। इसमें सबसे अधिक राजधानी लखनऊ में 15,137 मामले निस्तारित किए गए, जो पूरे प्रदेश में सबसे अधिक है। इसके बाद जौनपुर कुल 9,945 मामलों को निस्तारित कर पूरे प्रदेश में दूसरे, प्रयागराज 9,525 मामलों को निस्तारित कर तीसरे स्थान पर है।

जौनपुर डीएम डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुसार राजस्व मामलों को निस्तारित किया जा रहा है। बोर्ड ऑफ रेवन्यू की मई माह की राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) की रिपोर्ट के अनुसार जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के निर्धारित मानक निस्तारण से अधिक मामलों का निस्तारण किया है। जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के प्रति माह

निस्तारण के मानक 250 के सापेक्ष 563 मामलों का निस्तारण किया है। इसका प्रतिशत 225.20 है। इसी के साथ जनपदीय न्यायालय में राजस्व मामलों के निस्तारण में प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि 549 मामलों को निस्तारण कर दूसरे स्थान पर सुल्तानपुर और 262 मामले निस्तारित कर तीसरे स्थान पर गाजीपुर है। इसी तरह मई में अयोध्या के जिलाधिकारी न्यायालय ने निर्धारित 30 मामलों के मानक के मुकाबले 69 मामलों का निस्तारण कर 230 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की, जो की प्रदेश भर में सबसे अधिक है और अयोध्या प्रदेश भर में पहले स्थान पर है। वहीं जौनपुर के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 66 मामले निस्तारित किए गए। वहीं मऊ के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 65 मामले निस्तारित किए गए। इसी

तरह जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा निस्तारित किए गए मामलों में क्रमशः जौनपुर दूसरे और मऊ तीसरे स्थान पर है। इसी प्रकार अपर जिलाधिकारी भूप राजस्व जौनपुर निर्धारित मानक 50 के सापेक्ष कुल 208वादों का निस्तारण कर प्रदेश में प्रथम स्थान पर हैं। वहीं अपर जिलाधिकारी भूप एवं राजस्व गाजीपुर कुल 61वादों का निस्तारण कर दूसरे स्थान पर हैं तथा अपर जिलाधिकारी भूप एवं राजस्व मीरजापुर कुल 24वादों का निस्तारण कर तीसरे स्थान पर हैं। इसके साथ ही अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने 50 के मानक के मुकाबले 146 मामलों का निस्तारण कर 292 प्रतिशत हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि 138 मामले निस्तारित कर बाराबंकी दूसरे और 114 मामले निस्तारित कर तीसरे स्थान पर है।





कोहली ने टेस्ट के प्रति फिर दिखाया प्यार
युवाओं से इस प्रारूप के सम्मान का आग्रह

अहमदाबाद, 04 जून (एजेंसियां) ।
शॅल्लॉन चैलेंजर बैंगलुरु (आरसीबी)
ने इंडियन प्रीमियर लीग
(आईपीएल) 2025 के फाइनल में
पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर
पहली बार ट्रॉफी अपने नाम की। इस
जीत के बाद टीम के स्टार खिलाड़ी
विराट कोहली बहुत भावुक
नजर आए।

विराट आईपीएल की शुरुआत से इस
 जांचकरी के लिए खेल रहे हैं, लेकिन अब
 कांकाउर उन्हें आईपीएल टूर्नामी को उठाने व
 मौका मिला है। ऐसे में जीत के बाद विराट
 अनेक इमोशनल हो पाऊं नहीं रख सकें और
 बहुत झगझगाते हुए। बाचीत आईपीएल
 टूर्नामी जीत के जश्न के बजाय उन्होंने टेस्ट
 क्रिकेट के प्रति अपना प्यार एक बार फिर
 जाहिर किया।
 मैच के बाद मैथ्यू हेडन के साथ बातचीत
 के दौरान विराट ने कहा कि यह पल मेरे
 करियर के सबसे बेहतरीन पलों में से एक है।
 लेकिन यह अभी भी टेस्ट क्रिकेट से पांच

वर्त नीचे हैं। यही कारण है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट से इतना प्यार है और यही कारण है कि वह टेस्ट क्रिकेट को इतना महत्व देते हैं। उन्होंने आने वाले युवा पीढ़ियों से आग्रह किया है कि वह इस प्रारूप का सम्मान करें। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले युवाओं से यही आग्रह करूंगा कि वे इस प्रारूप का सम्मान करें। क्योंकि अगर आप टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आप दुनिया में कहीं भी चले जाएं, लोग आपकों आंखों में देखते हैं और आपसे हाथ मिलाते हैं और कहते हैं, शाबाश, आपने खेल बहुत अच्छा खेला। दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि

इसलिए यदि आप विश्व क्रिकेट में सम्मान अर्जित करना चाहते हैं, तो टेस्ट क्रिकेट को अपनाएँ और इसमें अपना दिल और जान लगा दें। विराट ने मई में टेस्ट क्रिकेट से लीगा सन्यास³⁶ ले कर विराट कोहली ने पिछले महीने नई साल क्रिकेट से सन्यास ले लिया था। विराट कोहली ने 123 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इसमें उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक के साथ-साथ 9230 रन बनाए। विराट के पास टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन बनाने का मौका था, लेकिन उन्होंने उससे पहले ही सन्यास ले लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

महत्वाकांक्षा में ...

खतरनाक हो पाड़े है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी यह जान लीजिए कि आप, आपकी पार्टी और आपको खानदान के कारणामें आजाद हिंदुस्तान के कैलेंडर में सेंडर से भरे पाड़े हैं। सेंडर कांग्रेस ने किया होगा, मात्र भारत किसी के सामने सेंडर नहीं हो सकता। हम विश्व की एक मात्र ऐसी सभ्यता हैं जो हजारों सालों के आक्रमणों के बाद भी जीवित है, जिसे आप मानने को तैयार नहीं हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाग्य मां के शेर की तरह हैं, अर्थात् हमारे नरेंद्र भारत मां के मूर्तिद्व हैं।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, यूपीए सरकार के दौरान सेंडर के कुछ वास्तविक उदाहरण साझा करना चाहता हूँ। 15 जुलाई 2011 को राहुल गांधी ने कहा कि आतंकवाद को पूरी तरह से निश्चित करना असंभव है। यह कांग्रेस का आत्मसमर्पण था। 26/11 के मुंबई हमलों के बाद यूपीए सरकार ने कहा कि पाकिस्तान के साथ वार्ता आतंकवाद की गतिविधियों से प्रभावित नहीं होगी। यह भी कांग्रेस का आत्मसमर्पण था। 1971 में, एक निर्णायक सैन्य जीत और 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों के आत्मसमर्पण के बाद यूपीए नेतृत्व ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को क्यों आत्मसमर्पण कर दिया? भाजपा नेता ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की घोषणा की थी, भाजपा नेताओं या उनके प्रवक्ताओं ने नहीं। जिस तरह से राहुल गांधी ने सशस्त्र बलों की सफलता की तुलना आत्मसमर्पण से की, वह उनके पराक्रम और बलिदान का स्पष्ट अपमान है। मैं आपको एक उदाहरण देता हूँ कि असली आत्मसमर्पण कैसा होता है। दो साल पहले, राहुल गांधी ने सवाल किया था कि यूरोप और अमेरिका में लोकतंत्र के रक्षक चुप क्यों हैं और भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप क्यों नहीं कर रहे हैं। यह कांग्रेस का आत्मसमर्पण था। राहुल गांधी ने जैसा बयान दिया वैसा बयान तो पाकिस्तान के सेना प्रमुखों ने भी नहीं दिया। पाकिस्तान के किसी आतंकवादी संगठन ने भी नहीं बोला, मौलाना मसूद या उसके आतंकी संगठन ने भी नहीं बोला, सईद ने भी नहीं बोला। किसी ने ये शब्द नहीं बोला है कि भारत ने सेंडर कांग्रेस को दिया है। राहुल गांधी ने जिस प्रकार से हमारी सेना द्वारा दिखाए गए आग्रिम शौर्य और सेना के अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का विवरण दिया है, उसकी सेंडर से तुलना करना, ये दर्शाता है कि इनकी मानसिकता कितनी रोगी और कितनी खतरनाक हो चुकी है।

भारतीय सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी का भाजपा असम्भव और पाकिस्तान खुफिया एजेंसी (आईएसआई) का समर्थन देने वाला बताया है। भाजपा ने स्वागत उद्घाटन कि राहुल गांधी चीन और पाकिस्तान के पेड एजेंट तो नहीं हैं? भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांघव संबित पात्रा ने कहा, जिस लहजे से ऑपरेशन सिंदूर पर राहुल गांधी ने बात कही, कोई भी सच जाननेवा या विश्वास का नेता अपने देश के बारे में बात करते समय सेंसरड जैसे शब्द का इस्तेमाल कभी नहीं करेगा। अपराक कोई नेता इस तरह के शब्द का प्रयोग कर रहा है तो वह राजनीति लायक नहीं है। पात्रा ने कहा, पहलगाण आतंकी हमले का बदला ऑपरेशन सिंदूर के तहत लिया गया था, जिग्ममे पाकिस्तान के भीतर घुसकर नौ आतंकी लॉन्चपैड और 11 एयरबेस तबाह किए गए थे। यह सब ऑन रिकॉर्ड है। इसके बावजूद राहुल गांधी ने भारत की मातृभूमि के लिए सेंसरड शब्द का प्रयोग किया और ऑपरेशन सिंदूर का मजाक उड़ाया। हमारा देश कभी आतंक के सामने सेंसरड नहीं करता। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, राहुल गांधी ने एलअन-पेपी का मतलब, लीडर ऑफ ऑपोजिशन की जगह लीडर ऑफ पाकिस्तानी प्रोपागेंडा समझ लिया है। पाकिस्तान ने भी मान लिया है कि भारत में राहुल गांधी जैसा उनका प्रवक्ता है। पूनावाला ने कहा, राहुल गांधी ने डीजीएमओ या विदेश मंत्रालय की छोड़िए, अपने ही नेता शशि थरूर, मनीष तिवारी और सलमान खुर्शीद की बात मान लेते तो थोड़ी अक्ल से बात करते।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, आत्मसमर्पण का डीएनए पार्टी के शब्दकोष में है, गांधी परिवार के डीएनए में है। राहुल गांधी, आपका अपनी पार्टी की सरकारों का कार्यकाल याद करना चाहिए किसी तरह आपने इतिहास में आत्मसमर्पण किया। आपने आतंकवाद के सामने आत्मसमर्पण किया, शर्म-अल-शेख में आत्मसमर्पण किया, 1971 की लड़ाई जीतने के बाद शिमला में टेबल पर आत्मसमर्पण किया, सिंधु जल समझौते में आत्मसमर्पण किया, हाजी पुर दारा का आत्मसमर्पण किया, छम्ब सेक्टर के 160 किमी इलाके का आत्मसमर्पण किया, 1962 की लड़ाई में आत्मसमर्पण किया, 1948 में आत्मसमर्पण किया और यहां तक कि देश की आजादी के समय मुस्लिम लीग के सामने भी आत्मसमर्पण किया।

पाकिस्तान ने ...

पाकिस्तान को इस खुलासे ने युद्ध-विराम का उसका अपील को बेचनी समझी जा सकती है।

मैक्सार टेक्नोलॉजीज द्वारा उपलब्ध कराई गई सेटेलाइट तस्वीरों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढाँचे के खिलाफ भारत द्वारा किए गए सटीक हमलों से होने वाले विनाश को दिखाया था। इसमें मुरीदे के लश्कर-ए-तैयबा का प्रशिक्षण केंद्र और बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय सहित नौ लक्ष्यों को निशाना बनाया गया था। मुजफ्फराबाद, कोटली, रावलकोट, चकस्वारी, पिंभर, नीलम घाटी, डेलम और कबकवाल जगहों में शामिल थे, जिन पर ऑपरेशन के दौरान हमला किया गया था। पाकिस्तान पर जवाबी हमले में 11 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। नूर खान, रफीकी, मुरीद, सुकर, सियालकोट, पसरूर, चुनिचन, सरगोधा, क्वाक, भोलीरी और जैकबाबाद उन ग्यारह हवाई ठिकानों में शामिल थे जिन्हें निशाना बनाया गया। तीन दिनों तक चली यह तनाती तब खत्म हुई जब पाकिस्तान ने भारत से सीजफायर के लिए प्रार्थना की।

भारत ने युद्ध-विराम तो किया, लेकिन आपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट लक्ष्य रखा खींच दी है। भारत में अब कोई भी आतंकवादी हमला युद्ध अपराध माना जाएगा, जिसके लिए कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

जाति के साथ...

इस जनगणना में सरकारी कर्मचारी (एम्प्लोयेड) जाति से जुड़ा सवाल पृष्ठों। 30 अप्रैल को कैबिनेट बैठक में मोदी सरकार ने जाति जनगणना कराने का निर्णय लिया था, अब इसकी तारीख भी सामने आ गई है। जाति जनगणना का सीधा सा मतलब है, देश में रहने वाले अलग-अलग जाति के लोगों की गिनती होगी। इससे यह तस्वीर साफ हो जाएगी कि देश में किस जाति के कितने लोग मौजूद हैं। जाति जनगणना से इसके स्पष्ट आंकड़े सामने आ पाएंगे।

देश में जातिगत जगणणा की शुरुआत अंग्रेजों के दौर में ही शुरु हो गई थी। आखिरी बार पूर्ण जाति जगणणा 1931 में कराई थी। तभी तय हो गया था कि इसे हर 10 साल में कराया जाएगा। हालांकि जाति के आंकड़े सामने नहीं रखे गए और तर्क दिया गया कि जाति आधारित

टबल नहीं तैयार हो पाई थी। आजाद भारत की पहली जनगणना साल 1951 में हुई। इसमें पिछड़ा वर्ग को शामिल नहीं किया गया था। इसके बाद साल 1961 से 2001 तक हुई जनगणना में जातियों को नहीं शामिल किया गया। साल 2011 में जातियों का सामाजिक-आर्थिक आंकड़े को इकट्ठा किया गया, लेकिन आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया। जातिगत जनगणना का विरोध करने वालों का कहना है कि अगर इस जनगणना में ओबीसी की आबादी अधिक निकली तो सुप्रीम कोर्ट की तरफ से तय की गई आरक्षण की सीमा पार हो जाएगी। इससे ओबीसी को भी नहीं ज्यादा आरक्षण मिलेगा। इसका नुकसान दलितों को होगा। जातीय जनगणना से देश में जातियों का बंटवारा और भेदभाव पैदा होगा। ऐसी जनगणना जातिगत व्यवस्था को और मजबूती देगी। जातिगत जनगणना की जगह सरकार को व्यक्तिगत अधिकार और समान अवसर देने पर फोकस करना चाहिए।

पिछली जनगणना के रिकार्डों को देखते तो पाएंगे कि हर बार सवालों की संख्या में इजाफा हुआ है। 2001 के मुकाबले 2011 में हुई जनगणना में कई अतिरिक्त सवाल पूछे गए थे। जैसे, आपका घर आपके ऑफिस से कितनी दूरी पर है। 2001 की जनगणना में नाम, जिल्ला और राज्यों से जुड़े बैसेक सवाल पूछे गए थे। वहीं, 2011 में व्यक्ति के गांव का नाम भी शामिल किया गया था। अब सवालों में व्यक्ति का नाम, जेडरा, माता-पिता का नाम, जन्म की तारीख, वैवाहिक स्थिति, वर्तमान और अस्थायी पता, परिवार के मुखिया का नाम, उससे सम्बन्ध भी पूछा जाएगा। ऐसे 30 सवाल पूछे जायें। भारत में हर 10 साल में जनगणना होती है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी। 1947 में आजादी मिलने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जबकि लिंगानुपात 940 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष और साक्षरता दर 74.04 फीसदी था। देश में जनगणना की शुरुआत 1881 में हुई थी। पहली बार हर 74 फीसदी जनगणना में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी हुए थे। इसके बाद हर दस साल पर जनगणना होती रही। 1931 तक की जनगणना में हर बार जातिवार आंकड़े भी जारी किए गए। 1941 की जनगणना में जातिवार आंकड़े जुटाए गए थे, लेकिन इन्हें जारी नहीं किया गया। आजादी के बाद से हर बार की जनगणना में सकारात्मक संकेत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के ही जाति आधारित रिकार्ड उपलब्ध नहीं किए। अन्य जातियों के जातिवार आंकड़े 1931 के बाद कभी प्रकाशित नहीं किए गए।

मूस्लिम देशों ने ...

तो राहुल गांधी को यह समझ लेना चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में राजनीति काम नहीं आएगी। शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का चौथा दल दिल्ली पर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने यूएई, लाडाखिया, हेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कागो और सिएरा लियोन का दौरा किया।

मिस्र के पूर्व विदेश मंत्री नबील फहमी ने कहा, मेरे भारत के साथ बहुत पुराने संबंध रहे हैं। लंबे समय तक विदेश सेवा में रहने के कारण और पीढ़ियों से चले आ रहे राजनीतिक संबंधों के कारण मैंने भारत को अपने क्षेत्र में आर्थिक और राजनीतिक रूप से विकसित होते देखा है और निश्चित रूप से मध्य पूर्व में हमने जो कुछ किया है, उस पर मुझे गर्ज है। मैं मिस्र में एक उच्च-स्तरीय बहदलीय प्रतिनिधिमंडल को देखकर बहुत खुश था क्योंकि वह भारत की पूरी आवाज को दर्शाता है। मैं स्पष्ट रूप से अपने पक्ष को भी यहां विभिन्न राजनीतिक समर्थन वाले प्रतिनिधिमंडल भेजने के लिए प्रेरित करूंगा ताकि हम भारतीयों से हमारे क्षेत्र में क्या हो रहा है, इसके बारे में बात कर सकें, चाहे वह अरब दुनिया हो या मध्य पूर्व और अफ्रीका, क्योंकि मिस्र की स्थिति अनूठी है।

उन्होंने कहा कि उच्च स्तरीय आधिकारिक संबंधों के अलावा जिसका नेतृत्व स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी कर रहे हैं, उन स्थितियों को टोस कार्वाई में बदलना महत्वपूर्ण है। हम वास्तव में संयुक्त राष्ट्र में अग्रणी देशों में से थे जो आतंकवाद को परिभाषित करने और यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे थे कि आतंकवाद के कृत्यों से पहले और बाद में अंतरराष्ट्रीय सहयोग हो। मुझे यकीन है कि कोई सुरक्षित पनाहगह नहीं है, कोई वित्तपोषण नहीं है। हमें आपको इस क्षेत्र में एक मित्र और भागीदार मिल गया है। हम अब देश बना चाहते हैं कि कैसे चीजों को खत्म कर सकते हैं, इसलिए हम आतंकवादियों के साथ समझौता नहीं करेंगे। वही, कांग्रेस सांसद आनंद शर्मा ने कहा कि हम इस तथ्य से उत्साहित हैं कि मित्र देशों ने भारत की स्थिति को समझ लिया है। उन्होंने भारत पर हुए आतंकवादियों हमले की निंदा की। हमने आतंकवाद के खिलाफ व्यापक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के संबंध में संयुक्त राष्ट्र में अपने लंबित प्रस्ताव के बारे में भी बात की और हमें इस संबंध में समर्थन का आश्वासन भी मिला। काहिरा में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि एक ऐसा देश जो अमेरिका के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई से पैसा निकाल सकता है और अमेरिका के सबसे बड़े दुश्मन (ओसामा बिन लादेन) को शरण दे सकता है, जिसकी तलाश पूरी दुनिया कर रही है, वह पाकिस्तान के दोहरे चरित्र का सबसे बड़ा सबूत है।

एन्सीपी (पवार) नेता सुप्रिया सुले के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के ग्रुप 7 के सदस्य और भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि कतर, साथ-साथ अफ्रीका, इथोपिया और अब मिश्र में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 140 करोड़ देशवासियों का स्पष्ट संदेश लेकर आए हैं कि कैसे सीमापार से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद बार-बार भारत के निर्दोष लोगों की जान लेता है। भारत पर बार-बार पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद के हमले होते हैं, जो भारत के आर्थिक विकास पर प्रहार करने का प्रयास करते हैं। हम लगातार शांति, भाईचारा, सद्बनाना बनाने का काम करते हैं उस पर बार-बार पाकिस्तान द्वारा चोट पहुंचाई जाती है। हमने दुनियाभर के देशों को बताया कि कैसे जित, रक्त प्रबंधन, प्रशिक्षण और सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान संरक्षण देता है। आतंकवादियों के ताबूतों पर पाकिस्तानी झंडा दिखाता है कि ये पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित है। दुनियाभर के देशों ने एक स्वर में हमले की निंदा की है, भारत के प्रति संदेशएं दी हैं और अपनार विश्वास व्यक्त किया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में ये भारत के साथ खड़े हैं।

मिस्र की राजधानी काहिरा में एनसीसी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने जब 2014 में पहली बार सुप्रेम ली थी, तो उन्होंने एक प्रयास किया था जो रंगरतना का हिस्सा था। उन्होंने शपथ समारोह के लिए सभी को भारत आमंत्रित किया था, और हमें विश्वास था कि हम सब मिलकर काम करेंगे और दुनिया सुनिश्चित करेंगे कि यह एक बढ़ता हुआ महाद्वीप बने और पूरी दुनिया को शांति का संदेश दे, लेकिन जब यह हमला हमारे निकटतम पड़ोसी से हुआ, तो यह हमारे लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और दर्दनाक था। हम भारतीय के रूप में यहां दुनिया को यह बताने आए हैं कि वास्तव में क्या हुआ है।

सुप्रिया सुले ने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस

जयशंकर आर् आर ससदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू की तहे दल से आभारी हैं की उन्होंने हम पर वलवास दलखाया। हमारे पूरे प्रतिनिधिमंडल ने जल-जल से मुलाकात की सथी ने कहा की आतंकवाद के खललफ हैं और अपरेशन सलंदूर में भारत के साथ हैं। हल बैठक में ये बात सामने आई है की आतंकवाद का कोई नहीं होता है केवल आतंकवाद होता है। हमारे भारत में हम वलधलता में साथ रहते हैं। लंदन में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे भाजपा सांसद रलशंकर प्रसाद ने कहा की जहां तक आतंकवाद का प्रवाल है, पाकलतान को इसकी कीमत चुकानी चाहलए। यह सामूहलक संयवास होना चाहलए।

बिना किसी जायबदही के वहा इतना अंतरराष्ट्रीय विमर्षाषण क्यो हो रहा है, यह पैसा कहा जा रहा है, क्या यह हथियार खरीदने या पाकिस्तान के लोगों की गरीबी दूर करने के लिए जा रहे है ? मैं समझता हूँ कि पाकिस्तान ने आईएसएफ से 25 बार ऋण लिया है। आपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार की ओर से भेजे गए सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में से एक दल अलग-अलग देशों का दौरा करने के बाद भारत लौट आया है। भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में चार प्रमुख मुस्लिम देशों का दौरा करने वाला बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को भारत लौटा। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बैठक में प्रतिनिधिमंडल के प्रयासों की सराहना की। इस प्रतिनिधिमंडल ने सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया का दौरा किया और भारत का पक्ष रखा। मॉरिशस में ब्यात करते हुए बैजयंत पांडा ने कहा कि यह एक सफल यात्रा थी, क्योंकि सभी देशों ने आतंकवाद के खिलाफ भारत का समर्थन किया है। पांडा ने कहा कि ये देश भारत को उसके आर्थिक विकास के कारण असुरों के देश के रूप में देखते हैं और न केवल आतंकवाद के मुद्दे पर बल्कि अन्य मामलों पर भी उसके साथ काम करना चाहते हैं। एजेंसी पांडा ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और भारत की दंडात्मक सैन्य कार्रवाई आपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी साझा की है। जयशंकर के साथ प्रतिनिधिमंडल की बैठक के बाद शंगला ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया साझा की और मंत्री ने उन्हें उनके बहुत सफल दौर के लिए धन्यार्थ दी। पूर्व राजनयिक ने कहा कि उन्होंने बताया कि उनकी यात्रा के उद्देश्य पूरे हुए। दिव्ही वापस लौटने पर जेडी (यू) सांसद संजय झा ने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सबसे बड़ा संदेश यह रहा कि इस मुद्दे पर पूरा देश एकजुट है। पहलगाम की घटना की समी ने निंदा की है। जिस तरह से भारत ने आतंकी ठिकानों पर हमला किया और आम नागरिकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया, उसकी भी प्रशंसा हुई है। हमने हर उस जगह जहां हम गए आग्रह किया कि फाईनेसल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

मलेशिया ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की समर्थन दिया है। उसका कहना है कि इस्लाम किसी भी तरह की हिंसा का समर्थन नहीं करता। इसलिए भारत को आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल की मलेशिया यात्रा को रोकने की कोशिश में पाकिस्तान ने एक बार फिर मुंह की खाई है। आतंकी गुल्लक ने मलेशिया सरकार से मुस्लिम देश होने की दुहाई तक दे डाली। हालांकि मलेशिया ने पाक के इस पैर को ठुकरा दिया और प्रतिनिधिमंडल से बेहतरीन मलाकात की।

पाकिस्तानी दूतावास में मेलिशिया से कहा, आप भी मुस्लिम देश हैं और हम भी मुस्लिम देश हैं। ऐसे में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की बात न सुनकर उनके दौरे को रद्द करना चाहिए। इस पर मेलिशिया ने भारत के साथ अपने संबंधों में पाकिस्तान के हस्तक्षेप को सिर से ठुकरा दिया। पहलगांव आतंकी हमले के जवाबी एक्शन में चलाए गए मिशन ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की हालत पस्त है। वहीं भारत के अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के अलग अलग देशों में दौरा कर देश की के पक्ष को मजबूती से दर्शा रहे हैं। इससे तिलमिलाया आतंकी मुल्क अलग-अलग हथकंडे अपना रहा है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका, गुयाना, कोलंबिया, ब्राजील और पनामा का दौरा किया तो वहीं जेडीयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में एक अन्य प्रतिनिधिमंडल जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर और मलेशिया का दौरा कर रहा है। संजय झा के साथ इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा से सांसद अपराजिता सारंगी, बजुराल, प्रधान बरूआ और हेमांग जोशी, तृणमूल के अभिषेक बनर्जी, सीपीएम के जॉन ब्रिटान, कांग्रेस से सलमान खुशईद और पूर्व राजनयिक मोहन कुमार शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल के सभी कार्यक्रम तय की गई योजना के तहत हाथ में संचालित हुए। अपने दौर का बारे में सांसद संजय झा ने अक्सर पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, मलेशिया के सामने हमने अपनी बात रखी। ये स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद को युद्ध की कान्वाई मानता है। भारत इस पूरे डोजियर को अंतर्राष्ट्रीय मंच एफएआईसी के सामने रखेगा ताकि आतंक के समर्थन देने वाले पाकिस्तान जैसे देश पर दबाव बढ़े। भारतीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार 2 जून को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर पहुंचा। यहां उन्होंने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की पार्टी केदेलन राक्यत और डेमोक्रेटिक एक्शन पार्टी के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के आतंकवाद प्रायोजित इरादों को मलेशिया के सामने रखा और पहलगाम हमलों और ऑपरेशन सिंदूर की वस्तुस्थिति स्पष्ट की। इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर मिशन के बाद मलेशिया ने पाकिस्तान का समर्थन किया था। लेकिन अब उसने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत कर भारत की बात सुनी है। मलेशिया ने आतंकवाद के खिलाफ भारत को समर्थन दिया है। देश का कहना है कि इस्लाम किसी भी तरह की हिंसा का समर्थन नहीं करता। इसलिए पहलगाम में हुए हमले को लेकर ये कहना गलत नहीं होगा कि भारत को आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है। अपने दौर में प्रतिनिधिमंडल ने दोनों देशों के आपसी रिश्तों पर चर्चा की। मलेशिया ने इस पर कहा कि दोनों देशों के रिश्ते 100 वर्षों से भी पहले से हैं। यहां 20 लाख भी अधिक भारतीय लोग रहते हैं। यही मलेशिया और भारत के सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों की यात्रादृता दिखाता है। संजय झा के साथ प्रतिनिधिमंडल सभी देशों की यात्रा कर वापस भारत लौट आया है। दूसरी तरफ, एआईएमआईएम के नेता सादुद असदुद्दीन ओवैसी ने खाड़ी देशों के सामने पाकिस्तान की पोल खोली और साथ ही वहां की सेना के प्रमुख आसिम मुनिर की भी धंजियां उड़ाईं। ओवैसी ने खाड़ी देशों को बताया कि किस तरह पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान कई वर्षों से भारत में आतंकवाद फैला रहा है। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले से पहले 15 अप्रैल को पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनिर के भड़काऊ भाषण का भी हवाला दिया।

शेख मुजीबुर्रहमान...

बदल दिया गया है। बांग्लादेश के कानून, न्याय और संसदीय कार्य

मन्त्रालय ने इस संशोधन से जुड़ा अध्यादेश मंगलवार की रात को जारी किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कानून में राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर् रहमान शब्द को भी संशोधित किया गया है। कानून में जहाँ-जहाँ बंगबंधु शेख मुजीबु रहमान का नाम लिखा हुआ था, उन हिस्सों को पूरी तरह से मिटा दिया गया है। सरकार की ओर से जारी नए अध्यादेश में मुक्ति युद्ध की परिभाषा में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। नए परिभाषा में बंगबंधु शेख मुजीबुर् रहमान का नाम पूरी तरह हटा दिया गया है। नए अध्यादेश में यह भी बदलाव किया गया है कि कैसे मुक्ति युद्ध से सीधे जुड़ा हुआ माना जाएगा और किसे नहीं। संशोधित कानून के अनुसार, मुजीबनगर सरकार यांनी युद्धकालीन निर्वाचित सरकार से जुड़े सभी संसद सदस्य और विधायक जिन्हें पहले संविधान सभा का सदस्य माना जाता था, अब स्वतंत्रता सेनानी नहीं कहलाए जायेंगे। अब उन्हें एक नई श्रेणी स्वतंत्रता संग्राम के सहयोगी में रखा गया है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम...

उन्होंने कहा, 11 से अधिक लोगों की जान चली गई है। मुख्यमंत्री को मामले को न्यायिक जांच का आदेश देना चाहिए। राज्य सरकार को इस त्रासदी की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। जब पूरा देश और कर्नाटक आसरीबी की जीत का जश्न मना रहा था, तब राज्य सरकार ने बिन किसी पूरे तैयारी के विजय रेती आयोजित करने की जल्दबाजी की जिससे यह घटना हुई। विजयरेती न होना, राज्य सरकार ने कभी पूरा तैयारियों की परवाह नहीं की। उन्हें प्रचार में अधिक रूचि थी। इस परिणाम 11 से अधिक लोगों की मौत के रूप में सामने आया। कुछ लोगों आइसीयू में हैं। मैंने कुछ पीडितों से बात की, अंदर कोई पुलिस नहीं थी, कोई एम्बुलेंस सुविधा नहीं थी।

वहीं, कानकाच विधान परिषद के नेता प्रोतस्थ और भाजपा एमएलसी चनबडी नारायणस्वामी ने कहा, यह घटना सरकारी चुक की वजह से हुई। उन्हें सैन्य बाता का कोई अंदाजा नहीं था कि फकिर्ने लोग आऐगे, क्या सावधानियाँ बरती हैंगी। यह सुसूक्ष्मा चुक है। जबकि कानाटक के डिप्टी सीपी डीके शिवकुमार ने कहा, हम निश्चय में आने वाली भीड नहीं थी। मैं बैंगलूर और कानाच के सभी लोगों से माफी मांगता हूं। हम विकटरी पेरुड निकालना चाहते थे, लेकिन भीड बेकाबू है। शिवकुमार ने आरसीबी के जश्र के दौरान भीड अकारात्परकी पर कहा कि यह युवा जोश से भरी भीड थी, हालांती का इस्तेमाल नहीं कर सकते। आरसीबी के जश्र के दौरान निकले लोगों की मीत हुई इसकी अभी कोई जानकारी नहीं है। विस्तृत जानकारी मिलने पर सूचित करेंगे। भीड बेकाबू थी, पुलिस को पेरुड-शानी हो रही थी, इसलिए हमें पेरुड को रोकने का फैसला लेना पड़ा

शिवकुमार ने कहा, मैंने पुलिस कमिश्नर और सभी से बात की है। बाद में अस्पताल भी जाऊंगा। मैं उन डॉक्टरों को परेशान नहीं करना चाहता जो मरीजों की देखभाल कर रहे हैं। अभी सटीक संख्या नहीं बताई जा सकती। हम लोगों से शांत रहने की अपील करते हैं। हमने कार्यक्रम को छोटा कर दिया। कार्यक्रम 10 मिनट में ही खत्म हो गया। हम सब कुछ सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं। लाखों लोग आए जमा रहे थे।

दरअसल, विधान सौधा में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आर राज्यपाल की मौजूदगी में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सौदीनपन ही बीच में बांशो हुई। इसके बाद खिलाड़ी आर वहां मौजूद लोग भागते नजर आए। खिलाड़ी तुरंत जाकर बस में चढ़ गए। निनास्वामी स्टैडियम के बाहर भारी भीड़ जमा हुई थी। वहां आसपास बच्चो बेहोशा हुआ, जसले लेक पुलिस दौड़ते नजर आई। प्रशंसक पेड़ आर बस पर चढ़कर अपनी टीम की झलक पाने के लिए बेताब दिखे। कुछ प्रशंसक निनास्वामी स्टैडियम की दीवार आर फेंस पर चढ़ते नजर आए। अपनी पैपियन टीम की झलक पाने के लिए निनास्वामी स्टैडियम के बाहर आर विधान सौधा के बाहर भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। निनास्वामी स्टैडियम के बाहर फेंस को कोई भी ऊंची चीज दिखी, उस पर चढ़ गए। एक समाचार एजेंसी ने वीडियो जारा किया। जिसमें फेंस के एक कार को क्षति पहुंचाने की कोशिश दिखाई गई है। मीडो को काबू में करने के लिए बंगलुरु पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया।

संसद का मानसून...

कैबरेट की मजूरी के बाद विगत मन्त्रालय के तहत विविध सेवा विभागों के विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। इससे पहले संसद संसद का बजट सत्र दो हिस्सों में आयोजित किया गया था। पहला सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ और 13 फरवरी तक चला। संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग 10 मार्च को शुरू हुआ और जार अप्रैल को समाप्त हुआ था। बजट सत्र में राज्यसभा के संभाषित जगदीप धनखड़ ने बताया कि यथा संसद की अब तक की सबसे लंबी बैठक गुवागार तीन अप्रैल को हुई थी। यह तीन अप्रैल को सुबह 11 बजे शुरू हुई और जार अप्रैल को सुबह 4:02 बजे तक चली। ऊपरी सदन में रिकॉर्ड 49 निजी सदस्यों के विधेयक भी पेश किए गए। कुल मिलाकर सदन ने कुल 159 धन विधेयक, जिसमें आधी रात के बाद 4 घंटे से अधिक समय शामिल हैं। इस सत्र की उत्पादकता 119 प्रतिशत रही।

लोकसभा अध्यक्ष आम बिलाने बताया था कि संसद के निर्वाह के लिए संसद में 26 बैरेंजें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि कुल उत्पादकता लगभग 118 प्रतिशत रही। उन्होंने बताया कि बजट सत्र के दौरान 10 करोड़ सरकारी विधेयक पेश किए गए। वक्फ संशोधन विधेयक और मुस्लिम वक्फ (निरसन) विधेयक सहित 16 विधेयक पारित किए गए।

जैविक हाथियार से...

बीजा धांधडी को आरोप लगाया गया। जाच में यह भी सामने आया है कि जियान को चीन में इस रोगाणु पर अपने काम के लिए चीनी सरकार से धन भी मिला। उसके इलेक्ट्रॉनिक्स में उसके चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) से जुड़े होने की जानकारी भी है। अमेरिकी अफ्रीकी जेरोम गोर्गेन जूनियर ने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एक्जिक्यूटिव्स सदस्य सहित इन चीनी नागरिकों की कथित गतिविधियाँ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर चिंता का विषय हैं। महिला जियान अदालत में पेश हुई और गुक्रवा को जमानत की सुनवाई के लिए उसे वापस जेल भेज दिया गया।

एफबीआई निदेशक काश पटेल ने भी घटना को लेकर बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर चेतावनी है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अमेरिकी संस्थानों में घुसपैठ करने और अमेरिका में खाद्य आपूर्ति को लक्षित करने के लिए गुर्गों और शोधकर्ताओं को तैनात करने के लिए काम कर रही है।

पयूसीरीयम ग्रैमिनीयम एक खतनाक फंगस है जो कृषि उत्पादन को नष्ट कर सकता है। यह मुख्य रूप से गेहूं, जौ, मक्का और चावल जैसे अनाजों की फसलों पर हमला करता है, जिससे भारी आर्थिक नुकसान होता है। यह फंगस हेड ब्लाइट नामक बीमारी का कारण बनता है, जिससे फसल की गुणवत्ता खराब होती है और उत्पादन में भारी गिरावट आती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Head office
SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS
 Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
 APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS
 4th Floor, 19 Towers (T19),
 Near Bus Stand, Ranigunj,
 Secunderabad - 500 005
8688868345

शुभ लाभ
महारे भाग्यनगर
 दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 05 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पिप्ती ट्रस्ट-सेवा दल के चार दिवसीय सेवा शिविर की स्थापना के कार्य का शुभारम्भ



हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पिप्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा बत्तीनी गौड़ परिवार द्वारा 8 जून को निःशुल्क वितरित किए जा रहे मत्स्य प्रसाद ग्रहण करने देश-विदेश से हैदराबाद पधारने वाले दमा रोगियों एवं उनके परिजनों की सुविधा हेतु विशाल चार दिवसीय सेवा शिविर नुमाईश



राकेश जयसवाल पार्श्व जामबाग ने बुधवार को स्ट्रीट लाइट और मानसून आपातकालीन टीमों की मरम्मत और स्थापना की मांग को लेकर जीएचएमसी कार्यालय टैंकबंद विद लैंप के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर के नरसिम्हा रेड्डी नगरसेवक मंसूराबाद, वी श्रवण नगरसेवक मल्काजगिरि भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

डिज़ायर डिज़ाइनर प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ



हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्टाइल के शानदार उत्सव को देखने के लिए तैयार हो जाइए! बहुप्रतीक्षित डिज़ायर डिज़ाइनर प्रदर्शनी फैशन, आभूषण, जीवनशैली और उत्सव संग्रह के अपने शानदार प्रदर्शन के साथ वापस आ गई है। इस कलात्मक फैशन प्रदर्शनी में शीर्ष डिज़ाइनर शादी और उत्सव के परिधान, समकालीन आभूषण, हाउते काउंचर, ठाठ सामान, घर की सजावट और बहुत कुछ पेश किया है। डिज़ायर का हर संस्करण मशहूर हस्तियों, मॉडलों, फैशन प्रेमियों और स्टाइल प्रभावितों को आकर्षित करता है और इस साल प्रतिष्ठित तज कृष्णा, बंजारा हिल्स में और भी शानदार अनुभव किया जा सकता है। अपने विशिष्ट डिज़ाइनर शोकेस के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध डिज़ायर डिज़ाइनर प्रदर्शनी, 4 से 6 जून तक हैदराबाद के होटल तज कृष्णा

सर्पा बाज़ार
 (24 कैरेट गोल्ड)
 सोना : 1,00,080/-
 (प्रति 10 ग्राम)
 चाँदी : 1,13,000/-
 (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट
 बीएसई : 80,998.25
 +260.74 +0.32% ↑
 एनएसई : 24,620.20
 77.70 (0.32%) ↑

रेवंत रेड्डी, असदुद्दीन ओवैसी ने बेंगलुरु भगदड़ में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 4 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और हैदराबाद के सांसद और ऑल इंडिया मजलिस ए इतेहाद उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार, 4 जून को आरसीबी के पहले आईपीएल खिताब के जश्न के दौरान मची भगदड़ में प्रशंसकों की मौत पर शोक व्यक्त किया। रेवंत ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आरसीबी आईपीएल विजय परेड के दौरान बेंगलुरु में हुए दुःखद हादसे के बारे में जानकर बहुत दुःख हुआ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना और प्रार्थनाएँ। मुझे यकीन है कि घायलों को हर्संभव मदद मुहैया कराई जाएगी। मैं उनके ठीक होने की



कामना करता हूँ। एक खुशी भरे कार्यक्रम को दुःखद होते देखा दुःखद है। मीडिया की जारी एक बयान में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह त्रासदी एक खुशी के अवसर पर हुई है और उन्होंने प्रशासन से मामले की गहन जांच करने का आग्रह किया। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची अफरा-तफरी और भगदड़ में आरसीबी के कुछ प्रशंसक कथित रूप से घायल हो गए और कुछ बेहोश हो गए। 11 लोगों के मारे जाने की आशंका है। रिपोर्टों के अनुसार, बेंगलुरु भगदड़ में मरने वालों में एक बच्चा और एक महिला भी शामिल है।



भाजपा के राज्यसभा सांसद नरेश बांसलजी के हैदराबाद आगमन पर उनका स्वागत करते हुए आभास के राष्ट्रीय संघटन मंत्री शशिकांत अग्रवाल, सह संघटन मंत्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, तेलंगाना अध्यक्ष योगेश जैन एवं अन्य।



राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को महेश नवमी के अवसर पर जगदीश प्रसाद एवं चंद्रकला बाई गर्ग परिवार द्वारा नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, ई-जगन (चंपा पेट), संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मायारामजी अग्रवाल, भगतराम गोयल, गोपाल गोयल, विशालजी अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने लालागुडा के केंद्रीय अस्पताल में धन्वंतरी विशेष वार्ड का उद्घाटन किया



हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने बुधवार दि. 4 जून, 2025 को लालागुडा, सिंदंराबाद के केंद्रीय अस्पताल में सुपरवाइजर विशेष वार्ड 'धन्वंतरी' का उद्घाटन किया। श्रीमती निर्मला राजाराम, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक, एससीआर, लोकेश विश्वाई, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, डॉ. आई. शिव नागा प्रसाद, चिकित्सा निदेशक, केंद्रीय अस्पताल, लालागुडा, डॉ. एनवीबीके साई, मुख्य स्टाफ सर्जन, केंद्रीय अस्पताल, लालागुडा, विभागों के प्रमुख प्रमुख, मुख्यालय और डिवीजन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, डॉक्टर, अस्पताल कर्मचारी और मान्यता प्राप्त संगठनों के प्रतिनिधि भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। धन्वंतरी विशेष वार्ड दक्षिण मध्य रेलवे के सभी पर्यवेक्षी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए विशेष व्यक्तिगत कमरों में अटेंडर खाट, केंद्रीय ऑक्सीजन आपूर्ति, सक्शन सुविधाएँ, विद्युत चालित खाटें, एसी, संलग्न वाश रूम, लिफ्ट सुविधा, रैप सुविधा के साथ 24 घंटे नर्सिंग देखभाल प्रदान की जाती है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों के साथ पर्यावरण वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत अस्पताल में

आने वाले मरीजों की सुविधा के लिए नई लिफ्ट और रैप सुविधा का भी उद्घाटन किया। स्वस्थ जीवन के लाभों को बढ़ावा देने के लिए विशेष वार्ड की दीवारों पर शिक्षाप्रद और सूचनात्मक दीवार पेंटिंग बनाई गई। इस अवसर पर बोलते हुए महाप्रबंधक ने कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लाभ के लिए सुविधाओं के उन्नयन के लिए चिकित्सा विभाग की सराहना की। ये सुविधाएँ उपचार के दौरान बेहतर रहने की सुविधा प्रदान करेंगी। उन्होंने नंदना वनम को हरित पहल की दिशा में विकसित करने की नेक पहल के लिए चिकित्सा टीम की भी सराहना की।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
 हैदराबाद
 गंगा दशहरा के पावन पर्व तथा विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाधर जी के पावन धाम, श्री पंचदेव मंदिर (सुंनुबाग, राजस्थान) के 50 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर बाबा गंगाधर सेवा समिति, हैदराबाद द्वारा अन्नदान गुरुवार, दि. 5 जून 2025 को पब्लिक गार्डन, नामपल्ली पर राधे-राधे ग्रुप के सौजन्य से किया जा रहा है।
 वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
MAHESH AGARWAL 98490 98502

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
 हैदराबाद
 सरोज देवी (भारत की श्रमाला अग्रवाल) की मासिक पुण्यतिथि पर स्कॉर्टाईलाइन थियेट्र बशीरबाग सुमन एंजेली
 वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
MAHESH AGARWAL 98490 98502

and had corrected my date of birth
from 01-07-1958 to 01-01-1958 for all

क्या शिलान्यास से कार्य पूरा हो जाएगा : बीआरएस

यादगिरिगुट्टा, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

क्या वे शिलान्यास करके हाथ धो लेंगे। क्या वे काम पूरा करेंगे? बीआरएस पार्टी मंडल अध्यक्ष करं वेंकटय्या और नगर अध्यक्ष पापटला नरहरि ने सरकार आरोप लगाया कि कलवापल्ली और कोलानुपाका पुलों पर कार्यों का शिलान्यास किया जा रहा है। लेकिन यह केवल शिलान्यास से विकास कार्य पूरा हो जाएगा। उन्होंने बुधवार को यादगिरिगुट्टा में पार्टी कार्यालय में मीडिया से करते हुए पूछा कि परपल्ली पुल का काम क्यों नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने पूछा कि यादगिरिगुट्टा शहर में डंपिंग यार्ड एक स्वयंसेवी संगठन के साथ पूरा हो गया है, लेकिन इसका उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा है।



उन्होंने कहा कि वे डेढ़ साल से इसकी उपेक्षा क्यों की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यादगिरिगुट्टा पहाड़ी पर जाने के लिए बन रहा फ्लाईओवर क्यों नहीं बन रहा है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार में पहाड़ी के नीचे बने नित्य अन्नदान भवन का उद्घाटन क्यों नहीं हुआ है। विश्व सुंदरीमानस को 36 लाख आवंटित करने वाले मंदिर अधिकारी इस बात से नाराज हैं कि भक्तों के लिए अन्नदान भवन

का उद्घाटन क्यों नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में नगरपालिका भवन का शिलान्यास होने के बावजूद भी अभी तक शिलान्यास नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि यादगिरि क्षेत्र में व्यापार हो रहा है, जो सौंदर्य का स्थान होना चाहिए। वह चाहते हैं कि अधिकारी और सरकार इसका जवाब दें। पंजीकरण कार्यालय के लिए एक स्थायी भवन बनाया जाना चाहिए। यह स्पष्ट नहीं है कि

मेडिकल कॉलेज कहां बनाया जा रहा है। पिछली सरकार ने ही काम का शिलान्यास किया था। उन्होंने कहा कि अभी तक काम क्यों शुरू नहीं हुआ है। दुकानों को तुरंत भूमिहीन लोगों को सौंप दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने पहले ही एक दुकान परिसर का निर्माण कर दिया है। 100 बिस्तरों वाला अस्पताल नहीं है। बीआरएस सरकार ने शिलान्यास का काम क्यों शुरू

नहीं किया है? उन्होंने कहा कि भुवनगिरी में मेडिकल कॉलेज की कक्षाएं क्यों चल रही हैं? वह चाहते हैं कि मल्लापूर में तत्काल मेडिकल कॉलेज बनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का दौरा एक प्रचार दौरा नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान रेवंत रेड्डी के दौरे को कांग्रेस पार्टी के प्रचार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास किया जा रहा है, और उनके दौरे से निर्वाचन क्षेत्र को कुछ भी हासिल नहीं होगा। इस कार्यक्रम में बीआरएस पार्टी के नेता पेराबोया सत्यनारायण, अरे श्रीधर, दंडबोया वीरेशम, कोन्त्याला नरसिम्हा रेड्डी, शाहजी राजेश यादव, पम्बाला राजू, अकुला शेखर और अन्य ने भाग लिया।

स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन



मंचेरियाल टाउन, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरीश राज ने कहा कि मंचेरियाल जिले में 100 दिनों तक एकीकृत चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे और लोगों को इनका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने जिला केंद्र के मंचेरियाल शहरी स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित चिकित्सा शिविर का निरीक्षण किया और

रोगियों से बात की।

उन्होंने कहा कि उक्त शिविरों में तपेदिक की रोकथाम, एचआईवी एड्स, गैर-संचारी रोगों, हेपेटाइटिस परीक्षण और संबंधित रोगों के बारे में जागरूकता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि डॉक कर्मचारी, आशा और स्वास्थ्य कार्यकर्ता महीने में 16 दिनों के लिए आयोजित चिकित्सा शिविरों को सफल बनाएं। उन्होंने सुझाव दिया

कि निवारक उपाय किए जाने चाहिए क्योंकि मौसमी बीमारियों के फैलने की संभावना है और प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सीमा के भीतर त्वरित प्रतिक्रिया दल स्थापित किए जाने चाहिए। डिप्टी डीएमएचओ डॉ. सुधाकर नायक, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रसाद, डॉक्टर शिवप्रताप, अमर, रामू, राजिता, वेंकटेश्वरलू और मास मीडिया अधिकारी बुक्का वेंकटेश्वर ने भाग लिया।

आदिवासी छात्र का पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी अव्वल आना बहुत बड़ी बात है : श्रीनिवास राव



कुमरमभीम-आसिफाबाद 4 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित साउथ एशियन चैंपियनशिप - आल्या-पात्या खेल में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली छात्रा को जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने उन्हें बधाई देते हुए सम्मानित किया। एसपी डीवी

श्रीनिवास राव आईपीएस ने साउथ एशियन चैंपियनशिप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित आल्या-पात्या खेल में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली आसिफाबाद ट्राइबल वेलफेयर डिग्री कॉलेज (द्वितीय वर्ष) की छात्रा गेदम सुहासिनी को सम्मानित कर

बधाई दी। ये खेल 30 मई से 01 जून तक आयोजित किए गए थे। इस अवसर पर आज जिला पुलिस कार्यालय में जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव द्वारा स्वर्ण पदक जीतने वाली गेदम सुहासिनी को विशेष रूप से बधाई दी गई। उन्होंने सुहासिनी को न केवल कोमुम भीम आसिफाबाद जिले का बल्कि राज्य और देश का भी नाम रोशन करने वाला बताया। उन्होंने इसे बड़ी बात बताया कि आदिवासी छात्र पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने उन्हें देश के लिए खेलने और कई और सफलताएं हासिल करने की शुभकामनाएं दीं।

बीआरएस फ्लेक्सी हटाने के विरोध में सड़क पर उतरे बीआरएस कार्यकर्ता



मंचेरियाल, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले के मंदामरी नगरपालिका में फ्लेक्सी विवाद चरम पर पहुंच गया है। नगरपालिका कर्मचारियों ने पार्टी के रजत जयंती समारोह के अवसर पर शहर के पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में बीआरएस नेताओं द्वारा लगाए गए फ्लेक्सी बैनर को हटाने की कोशिश की। मामले की जानकारी मिलने पर बीआरएस नेता बड़ी संख्या में वहां पहुंचे और फ्लेक्सी बैनर हटाने से रोक दिया। उनकी नगरपालिका कर्मचारियों के

साथ बहस हुई। नगरपालिका कर्मचारियों ने वापस जाओ और आयुक्त मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। बाद में वे नगरपालिका कार्यालय पहुंचे और कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने कांग्रेस पार्टी के नेताओं द्वारा लगाए गए फ्लेक्सी बैनर पर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यालय के सामने धरना दिया गया। कार्यालय के सामने बड़े पैमाने पर नारेबाजी की गई बाद में जब नेताओं ने ज्ञापन सौंपना चाहा तो कर्मचारियों ने कहा कि कार्यालय में अधिकारी उपलब्ध नहीं हैं। कर्मचारियों से ज्ञापन लेने

के लिए कहा गया तो उन्होंने मना कर दिया। इसके साथ ही नेताओं ने कार्यालय के गेट पर ज्ञापन सौंप दिया। इस कार्यक्रम में बीआरएस और टीबीजीकेएस नेताओं राजशेखर, बंडारू सुरीबाबू, कोंगला तिरुपति रेड्डी, बाथुला श्रीनिवास, बोरिगाम वेंकटेश, मड्डी शंकर, एमडी अब्बास, पंजाला ईश्वर, भट्ट राजकुमार, भूपेली कनकैया, प्रताप सांगपानी, बारला सदानंदम, पल्ले नरसिंह, बेलम अशोक, सीपेली सागर, अखिलेश पांडे और कोमारक्का ने भाग लिया।

मंचेरियाल एसीसी खदान के तालाब में गिरने से छात्र की मौत



मंचेरियाल, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिला मुख्यालय में एक दुखद घटना घटी। जिसमें शहर के जाफरनगर का सादुला हर्षवर्धन (15) अपने दोस्तों के साथ जिला मुख्यालय के एसीसी खदान तालाब में मौज-मस्ती करने गया था। नहाने के दौरान वह तालाब में डूब गया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सादुला हर्षवर्धन अपने दोस्तों के साथ तालाब में उतरा था जब सभी लोग बाहर निकल गए तो साईवर्धन गहरे पानी में चला गया

और डूब गया दोस्त वहां से अपने घर चले गए मृतक के पिता प्रसाद का बेटा जब रात 8 बजे के बाद घर नहीं लौटा तो उसने दोस्तों से पूछताछ की और रात 10 बजे तालाब के पास खदान के पास स्कूटी कपड़े और चप्पल मिले पिता द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद बुधवार को पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। दसवीं कक्षा की पढ़ाई पूरी करने के बाद हैदराबाद के एक निजी कॉलेज में इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के लिए छात्रावास जा रहे थे साई वर्धन के पिता प्रसाद पेड्डापल्ली में एक्सिस बैंक में सेल्स मैनेजर के रूप में काम करते हैं और उनकी माँ लावण्या कोटापल्ली में एक आदिवासी आश्रम स्कूल में शिक्षिका के रूप में काम करती है। शहर के एसआई चौधरी तिरुपति ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

सत्तारुढ़ पार्टी के भीतर मतभेद उभरे!

आपसी आलोचना के कारण पार्टी में अराजकता



मंचेरियाल, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल के चेन्नू कांग्रेस में गुटबाजी तेज हो गई है। वर्षों से भीतर तक सीमित मतभेद अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गए हैं। लोग एक-दूसरे की आल-ोचना करने लगे हैं। चेन्नू निर्वाचन क्षेत्र में हाल ही में आयोजित संगठनात्मक बैठक के दौरान सामने आई ताजा घटनाएं पार्टी की आंतरिक समस्याओं को दर्शाती हैं। पिछले कुछ दिनों से विधायक विवेक वेंकटस्वामी के पक्ष में एक गुट और पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष मूल राजी रेड्डी के नेतृत्व वाला दूसरा गुट गुटबाजी कर रहा है। हाल ही में चेन्नू में पार्टी पर्यवेक्षक के दौरे के दौरान

विधायक विवेक वेंकटस्वामी पर मूल राजी रेड्डी की टिप्पणी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई राजी रेड्डी के शब्दों के विवादास्पद होने पर उस समय विधायक विवेक के पक्ष में खड़े कुछ कांग्रेस नेताओं ने अलग-अलग बैठकें कीं और मूल राजी रेड्डी की आलोचना की। हालांकि इसके जवाब में मूल राजी रेड्डी ने मंगलवार को चेन्नू में अपने समारोह हॉल में अपने समूह के नेताओं के साथ एक आंतरिक बैठक की बाद में राजी रेड्डी की ओर से उनके समूह के नेता पोणुला सतीश, मुत्थाला रवि कुमार, स्वामी और स्वरूप सिंह ने चेन्नू प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन में बात की। उन्होंने चेतावनी दी कि उनके लिए मूल राजी रेड्डी की आलोचना



केंद्र सरकार से ऑपरेशन कगार को तुरंत बंद करने और माओवादी पार्टी के साथ शांति वार्ता करने की मांग करते हुए सभी दलों और जन संगठनों ने बुधवार को मंचेरियाल कॉरपोरेशन के अंतर्गत आईडी चौराहे पर अंबेडकर प्रतिमा के समक्ष धरना और विरोध प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के नेता, महिला नेता, युवा कांग्रेस के नेता, सर्वदलीय नेता, जन संगठनों के नेता, कार्यकर्ता एवं अन्य लोग शामिल हुए।

मंचेरियाल में लॉरी ने ट्रैक्टर को मारी टक्कर, एक की मौत

मंचेरियाल, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

थंडूर मंडल के पेगडापल्ली गांव में एक लॉरी ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। जिससे ट्रैक्टर चालक की मौत पर ही मौत हो गई तथा एक अन्य

व्यक्ति घायल हो गया। थंडूर के सब-इंस्पेक्टर किरण ने बताया कि टक्कर में सोमागुडैम के भुक्का सुरेश (28) को गंभीर चोटें आईं। जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई, राजू नामक व्यक्ति घायल हुआ है। ट्रैक्टर

आसिफाबाद की ओर जा रहा था जबकि लॉरी भी उसी दिशा में जा रही थी। पीड़ित के परिवार की शिकायत के आधार पर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है जांच जारी है।

अशोक माहुलकर राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित

कुमरमभीम-आसिफाबाद, 4 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय बौद्ध महासभा केवी आसिफाबाद जिला अध्यक्ष अशोक माहुलकर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप गणपति नेवास पाटिल और अखिल भारतीय अंबेडकर एवं सांस्कृतिक परिषद तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष मधुकर ने बताया कि भारतीय बौद्ध महासभा कोमुमभीम आसिफाबाद के जिला अध्यक्ष अशोक माहुलकर को क्रांतिकारी संत कबीर राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। उन्होंने बताया कि विदेशों में आयोजित बौद्ध सम्मेलनों में अनेक बातें साझा करने के अलावा भारत के विभिन्न



भागों में अंबेडकरवाद और बौद्ध धर्म तथा इन मुद्दों पर लगातार काम करने वाले और लोगों को जागरूक करने वालों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता दिखाने वाले और दलित समाज के लिए काम करने वाले देश के 19 लोगों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। उन्होंने बताया कि ये राष्ट्रीय पुरस्कार बौद्ध देश नेपाल के स्वास्थ्य मंत्री शत्रुघ्न प्रसाद सिंह

द्वारा इस महीने की 11 तारीख (बुधवार) को कांतिकारी संत कबीर की 627वीं जयंती के अवसर पर नागपुर शहर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय मेगा अधिकारी 2025 कार्यक्रम में उक्त पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में पुणे न्यायालय के न्यायाधीश और मानवाधिकार अधिनियम के अखिल भारतीय अध्यक्ष सत्यशोधक शिवदास नारायण महानज सहित देश-विदेश के प्रमुख लोग भाग ले रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से समाज सेवा के साथ-साथ युवा बौद्ध धर्म और अंबेडकर को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए आगे आएंगे।

इंदिराम्मा आवास निर्माण के दस्तावेज वितरित



जगतियाल, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जगतियाल जिले के कोरुटला के 33 वार्डों की इंदिराम्मा समिति की देखरेख में कोरुटला के जीएस गार्डन में इंदिराम्मा आवास

निर्माण के दस्तावेजों वितरित किये गये। कांग्रेस पार्टी कोरुटला इंचार्ज जुव्वाडी नर्सिंग राव उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लिया और कहा कि इंदिराम्मा आवास निर्माण की

कार्यवाही के दस्तावेजों के वितरण से लाभार्थी खुश हैं। कांग्रेस सरकार ने इंदिराम्मा समिति के सदस्यों के साथ मिलकर शहर के 33 वार्डों में प्रोसिडिंग पात्र लोगों को वितरित करने का कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि कोरुटला में 502 लाभार्थियों के बीच कार्यवाही के दस्तावेज वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी गरीबों की पार्टी है और कांग्रेस पार्टी की सरकार लोगों के विकास और कल्याण के उद्देश्य से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में किए गए वादे के अनुसार इंदिराम्मा आवास समिति द्वारा लाभार्थियों का चयन किया गया और गरीब लोगों को अपना घर बनाने के सपने में मदद करने के लिए इंदिराम्मा आवास प्रक्रिया दस्तावेज वितरण कार्यक्रम शुरू किया गया। इस अवसर पर शहरी कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष गंगाधर, कांग्रेस पार्टी के विभिन्न पदों के नेता, कार्यकर्ता उपस्थित थे।

